सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 257 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 30 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

प्रदेश के सरकारी राशन दुकान संचालकों ने दी हड़ताल की चेतावनी

रायपुर। प्रदेशभर के राशन दुकान संचालकों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए पांच जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है, जिससे करीब 70 लाख कार्डधारियों को परेशानी हो सकती है। संचालकों का कहना है कि वर्षों से उन्हें बेहद कम मार्जिन मनी में राशन दुकानों का संचालन करना पड़ रहा है, जबकि महंगाई और संचालन खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। उनका आरोप है कि कई मदों का भुगतान सात महीने से लंबित है, जिससे दुकानों का संचालन मुश्किल हो गया है। संचालकों ने नौ सूत्री मांगों को लेकर सरकार को अल्टीमेटम देते हुए स्पष्ट कहा है कि मांगें पूरी नहीं होने पर प्रदेश की करीब 13 हजार राशन दुकानें बंद कर दी जाएंगी।इसका सीधा असर लाखों हितग्राहियों पर पड़ेगा, जिन्हें हर महीने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अनाज मिलता है। अब सबकी नजर सरकार और संचालकों के बीच संभावित बातचीत पर टिकी है।

घरजियाबंधान जलाशय योजना के लिए 51.6 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा जशपुर जिले के विकासखंड-पत्थलगांव की घरजियाबंधान जलाशय योजना के कार्यों के लिए 51 करोड़ 6 लाख 29 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इस सिंचाई योजना के निर्माण होने पर क्षेत्रीय किसानों को खरीफ एवं रबी की फसलों के लिए करीब 2064 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। योजना के निर्माण कार्य कराने के लिए मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग अम्बिकापुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

23 राजनीतिक दलों और 1 निर्दलीय सांसद ने लिखा पत्र

नईदिल्ली। चुनाव आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में 23 राजनीतिक दलों और 1 निर्दलीय सांसद ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को पत्र लिखा है। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर इस संयुक्त पत्र के बारे में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने जानकारी दी। उन्होंने कहा यह पत्र निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया और चुनाव संबंधी अन्य मुद्दों पर है। इस पत्र में विपक्षी गठबंधन ने एसआईआर के पालन के मामले में न्यायपालिका से हस्तक्षेप की मांग की है।

धमतरी के सत्यांशु दीप का भारतीय फुटबॉल टीम में चयन, स्वीडन में करेंगे देश का प्रतिनिधित्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले के विशेष विद्यालय 'सार्थक स्कूल' के विशेष छात्र सत्यांशु दीप का चयन स्पेशल ओलंपिक्स भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में हो गया है। सत्यांशु आगामी 12 से 16 जुलाई 2026 तक स्वीडन में आयोजित होने वाली स्पेशल ओलंपिक्स गोथिया ट्रॉफी 2026 अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सत्यांशु दीप की यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल धमतरी जिले, बल्कि समूचे छत्तीसगढ़ के लिए बड़े गौरव का विषय है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और खेल कौशल का यह उत्कृष्ट उदाहरण यह साबित करता है कि यदि उचित प्रशिक्षण, प्रोत्साहन और अवसर मिले, तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का परचम लहरा सकते हैं। सत्यांशु दीप इसका जीता जागता प्रमाण है।

उचित मार्गदर्शन और लगन से मिला यह मुकाम

स्कूल परिवार के अनुसार, सत्यांशु ने यह मुकाम अपने कड़े व नियमित अभ्यास, अनुशासन, समर्पण और मैदान पर बेहतरीन खेल प्रदर्शन के दम पर हासिल किया है। उनकी यह शानदार सफलता अन्य विशेष बच्चों के लिए भी एक बड़ी प्रेरणास्त्रोत बनेगी और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्साहित करेगी।

वैश्विक मंच पर चमकेगा धमतरी का नाम : कलेक्टर

इस बड़ी उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए धमतरी कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि यह सफलता सत्यांशु की कड़ी मेहनत, लगन और खेल के प्रति उनके अटूट समर्पण का परिणाम है। मैं सत्यांशु दीप, उनके माता-पिता, प्रशिक्षकों, विद्यालय परिवार को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ।

छत्तीसगढ़ में सरकारी शिक्षकों के प्रमोशन विवाद पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

सरकार को माना सही, कोर्ट ने कहा- निरस्त आदेश से नहीं बनता वरिष्ठता का कानूनी अधिकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने सरकारी कर्मचारियों की वरिष्ठता को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी कर्मचारी का प्रारंभिक पदोन्नति आदेश अनियमितताओं के कारण रद्द हो जाता है, तो बाद में नए सिरे से मिले प्रमोशन के बाद वह पुराने निरस्त आदेश की तारीख से वरिष्ठता का लाभ नहीं मांग सकता। न्यायालय ने सूरजपुर जिले के पांच मिडिल स्कूल प्रधानपाठकों की याचिका को आधारहीन मानते हुए खारिज कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति बिभू दत्त गुरु की एकल पीठ ने जारी किया।

याचिकाकर्ता शोभनाथ चौबे, अशोक उपाध्याय, दिनेश कुमार द्विवेदी, संजय कुमार त्रिपाठी और दिनेश कुमार कौशिक सूरजपुर जिले की विभिन्न शासकीय पूर्व माध्यमिक शालाओं में प्रधानपाठक के पद पर कार्यरत हैं। इन सभी शिक्षकों को पहली बार 7 सितंबर 2012 को प्रधानपाठक पद पर पदोन्नति दी गई थी। पदोन्नति प्रक्रिया में कुछ विसंगतियों और अनियमितताओं की शिकायत के बाद इसकी जांच हुई और 21 सितंबर 2012 को जारी किया गया प्रमोशन आदेश रद्द कर दिया गया। इसके बाद 19 सितंबर 2013 को नए सिरे से आदेश जारी कर प्रधानपाठक पद पर पदोन्नति दी गई। इसके बाद शिक्षकों ने अधिवक्ता एएन पांडेय के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका दायर कहा कि उन्हें 7 सितंबर 2012 के पहले प्रमोशन आदेश की तारीख से ही वरिष्ठता का लाभ दिया जाए।

शासन ने किया दावे का विरोध, कोर्ट ने दिया फैसला

राज्य शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता अविनाश सिंह ने याचिका का विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि साल 2012 का प्रमोशन आदेश अनियमितताओं के कारण रद्द हो चुका था। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद हाईकोर्ट ने शासन के निर्णय को उचित ठहराया। न्यायालय ने कहा कि रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि 7 सितंबर 2012 का प्रारंभिक पदोन्नति आदेश चयन प्रक्रिया में गड़बड़ियों और अनियमितताओं के कारण 21 सितंबर 2012 को निरस्त कर दिया गया था। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा नई पदोन्नति के आधार पर पुराने रद्द आदेश की तारीख से वरिष्ठता का अधिकार नहीं बनता।

क्रिकेटर शशांक सिंह व उनके पिता के खिलाफ एफआईआर

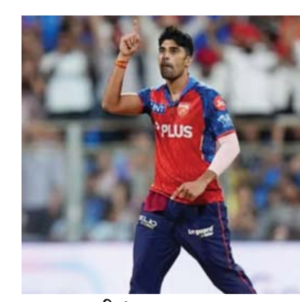

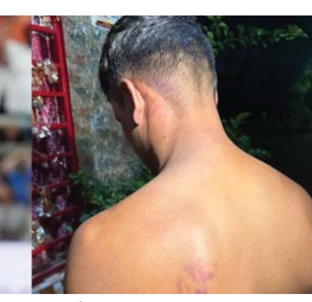

श्रीकंचनपथ न्यूज

भोपाल। मध्यप्रदेश के भोपाल से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। पंजाब किंग्स के इंडियन प्रीमियर लीग के क्रिकेटर शशांक सिंह और उनके पिता रिटायर्ड आईपीएस पिता शैलेश सिंह पर गंभीर आरोप है। उनपर पर कूक को बंधक बनाकर मारपीट करने का आरोप है।मामला भोपाल के रातीबड़ थाना क्षेत्र के मेंदोरी गांव स्थित उनके आवास का है। पीड़ित की पहचान रीवा जिले के रहने वाले 31 वर्षीय पीड़ित रसोइए विपेंद्र सिंह तोमर के रूप में हुई है। उसने थाने में इंडियन प्रीमियर लीग के क्रिकेटर शशांक सिंह और उनके पिता रिटायर्ड आईपीएस पिता शैलेश सिंह के खिलाफ केस दर्ज कराई है।

आरोप है खाना पसंद न आने पर क्रिकेटर शशांक सिंह, उनके पिता रिटायर्ड आईपीएस पिता शैलेश सिंह जो पूर्व रिटायर्ड ष्ठत्नक्क रह चुके हैं और उनके ड्राइवर ने बेरहमी से मारपीट की। उसे गन्दी गालियां दी। उसका मोबाइल फोन तक छीन लिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पीड़ित के चेहरे और शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नौगई तिहरा हत्याकांड : पीड़ित परिवार से मिले करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राज शेखावत

कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के चर्चित नौगई तिहरे हत्याकांड को लेकर करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत सोमवार को बैकुंठपुर पहुंचे। मृतक भरत सिंह की तेरहवीं पर बड़ी संख्या में समाज के लोग और करणी सेना के पदाधिकारी पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। डॉ। राज शेखावत ने मृतक भरत सिंह के निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली। इस दौरान करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह तोमर सहित संगठन के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और समाज के लोग मौजूद रहे। डॉ राज शेखावत ने हत्याकांड के आरोपियों के खिलाफकठोरतम कार्रवाई की मांग करते हुए उनका एनकाउंटर किए जाने की भी मांग रखी। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मामले की सीबीआई जांच अथवा उच्च स्तरीय एसआईटी जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि किसी अधिकारी की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

नागपुर की फैक्ट्री ब्लास्ट मामले में रायपुर पहुंची पुलिस, कंपनी के मालिक फरार

रायपुर। विस्फोटक निर्माण करने वाली रायपुर की एसबीएल एनर्जी लिमिटेड (पूर्व नाम अमीन एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड) के मालिकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नागपुर फैक्ट्री ब्लास्ट मामले में कंपनी के सीईओ आलोक संपत सिंह चौधरी और उनके भाई संजय संपत सिंह चौधरी की गिरफ्तारी के लिए नागपुर पुलिस की विशेष टीम सोमवार को रायपुर पहुंची।

स्थानीय पुलिस की मदद से टीम ने देवेंद्र नगर स्थित आवास और फाफाडीह चौक स्थित कारपोरेट कार्यालय में दबिश दी, लेकिन दोनों भाई फरार मिले। दोनों के खिलाफ नागपुर फैक्ट्री ब्लास्ट मामले में प्रकरण दर्ज है। इस हादसे में 23 कर्मियों की मौत हुई थी। मामले की जांच पहले से चल रही है। चर्चा है कि सूडान में विस्फोटक भेजने के आरोप में अमेरिका द्वारा कंपनी और उनके मालिक पर लगाए गए प्रतिबंध के बाद नागपुर पुलिस ने भी पुराने मामले में सक्रियता बढ़ा दी है।

डेटोनेटर निर्माण के दौरान हुआ था धमाका

एक मार्च 2026 को नागपुर के राउलगांव स्थित एसबीएल एनर्जी के गोला-बारूद प्लांट में डेटोनेटर निर्माण के दौरान एक भयानक धमाका हुआ था। हादसे में 23 कर्मचारियों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। कलमेश्वर थाना पुलिस ने कंपनी के सीईओ आलोक संपत सिंह चौधरी और उनके भाई संजय संपत सिंह चौधरी समेत अन्य के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या (धारा 105), साक्ष्य छिपाने (धारा 228) समेत अन्य संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया था।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में एंटी-गुंडा और ओबीसी आरक्षण बिल सर्वसम्मति से पास

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने सोमवार को कानून-व्यवस्था और OBC आरक्षण से जुड़े चार बिल पास कर दिए। इनमें एंटी-गुंडा कानून के तहत पुलिस अब कुछ मामलों में बिना ट्रायल के 12 महीने तक हिरासत में रख सकेगी। वहीं, ह्रक्च्ष्ट आरक्षण से जुड़े दो संशोधन बिलों को भी मंजूरी मिल गई।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट 2 जुलाई को कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। बिल अगस्त में विधानसभा में पेश किया जाएगा। समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए पूर्व सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस (रिटायर्ड) रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई है। इसमें कानून और शिक्षा समेत अलग-अलग फील्ड के एक्सपर्टस शामिल हैं। कमेटी एक महीने में अपनी रिपोर्ट देगी।

दंगे में नुकसान की भरपाई, संपत्ति भी होगी जब्त

'वेस्ट बंगाल पब्लिक सेफ्टी एंड कंट्रोल ऑफ एंटी-सोशल एक्टिविटीज बिल, 2026' 176 वोटों से पास हुआ। इसके तहत जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस आयुक्त सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा माने जाने वाले लोगों को बिना ट्रायल 12 महीने तक हिरासत में रखने का आदेश दे सकेंगे। दंगे या हिंसा में सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों से मुआवजा वसूला जाएगा। जरूरत पड़ने पर उनकी संपत्ति जब्त कर नीलाम भी की जा सकेगी।

ओबीसी लिस्ट से 113 समुदाय हटे, सर्वे के बाद 66 जोड़े गए

विधानसभा ने ओबीसी आरक्षण से जुड़े दो संशोधन बिल भी पास किए। कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देश पर बिना सर्वे ओबीसी लिस्ट में शामिल किए गए 113 समुदायों को हटाया गया है। नए सर्वे के बाद 66 समुदायों को लिस्ट में शामिल किया गया। अब अलग-अलग कैटगरी की जगह सिर्फ ओबीसी कैटेगरी रहेगी। आरक्षण का प्रतिशत भी 17 फीसदी से घटाकर 7 फीसदी किया गया।

संपादकीय

समग्र हिंदुत्व की राह पर भाजपा

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की टीम में सपा के पीडीए की धार कुंद करने का प्रयास किया गया है। राज्य में भाजपा का संगठन 6 क्षेत्रों में विभाजित है। इनमें पश्चिम नवाब सिंह नागर को, ब्रज क्षेत्र में पूरन लाल लोधी तथा कानपुर क्षेत्र में राम किशोर साहू अध्यक्ष बने हैं। काशी क्षेत्र के अध्यक्ष अशोक चौरसिया बनाए गए हैं। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों के दृष्टिगत उतर प्रदेश में सभी राजनैतिक दलों ने अपनी चुनावी तैयारियों और मुद्दों को अंतिम रूप देना प्रारंभ कर दिया है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी बहुप्रतीक्षित कार्यकारिणी भी घोषित कर दी है। माना जा रहा है कि भाजपा की यह टीम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व केंद्रीय नेतृत्व की पसंद से चुनी गई है किन्तु इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भी महती भूमिका है। भाजपा ने अपनी नई टीम में सामाजिक सन्तुलन साधने के साथ ही सपा के पीडीए व बसपा के ब्राह्मण कार्ड को रोकने का प्रबंध किया है। अब चुनाव केवल सामाजिक समीकरण के बल पर ही नहीं जीते जाते इसलिए भाजपा ने अपनी टीम की संरचना से यह भी स्पष्ट किया है कि वह चुनावी दंगल बूथ स्तर पर आकर ही लड़ेगी। भाजपा अब अपने बूथ प्रबंधन को सशक्त करने के लिए काम करेगी जिसके लिए प्रदेश की टीम को एकदम युवा व कर्मठ चेहरे दिए गए हैं। भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में प्रवक्ताओं की टीम भी घोषित कर दी गई है और सोशल मीडिया प्रमुख की भी नियुक्ति की गई है क्योंकि अब प्रमुख राजनैतिक नैरेटिव युद्ध पारंपरिक और सोशल मीडिया दोनों पर लड़ा जाता है। चुनावी जंग जीतने में मीडिया व सोशल मीडिया भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पश्चिम बंगाल चुनावों में नैरेटिव युद्ध ने भाजपा की विजय में बड़ी भूमिका निभाई थी। भाजपा की नई कार्यकारिणी से यह बात भी साफ हो गई है कि आगामी विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चेहरे व हिंदुत्व की धर तेज करके ही लड़ा जाएगा। प्रदेश में योगी जी का एक रहेंगे तो नेक रहेंगे तथा बटेंगे तो कटेंगे का नारा फिर चलने वाला है।

> “ भाजपा ने अपनी नई टीम में सामाजिक सन्तुलन साधने के साथ ही सपा के पीडीए व बसपा के ब्राह्मण कार्ड को रोकने का प्रबंध किया है। अब चुनाव केवल सामाजिक समीकरण के बल पर ही नहीं जीते जाते इसलिए भाजपा ने अपनी टीम की संरचना से यह भी स्पष्ट किया है कि वह चुनावी दंगल बूथ स्तर पर आकर ही लड़ेगी। भाजपा अब अपने बूथ प्रबंधन को सशक्त करने के लिए काम करेगी जिसके लिए प्रदेश की टीम को एकदम युवा व कर्मठ चेहरे दिए गए हैं। भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में प्रवक्ताओं की टीम भी घोषित कर दी गई है और सोशल मीडिया प्रमुख की भी नियुक्ति की गई है क्योंकि अब प्रमुख राजनैतिक नैरेटिव युद्ध पारंपरिक और सोशल मीडिया दोनों पर लड़ा जाता है।

प्रदेश के आम हिन्दू जनमानस को योगी जी पर पूरा भरोसा है विशेषकर कानून व्यवस्था व नारी सुरक्षा आदि विषयों के कारण। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की नई टीम में सपा के पीडीए की धार कुंद करने का प्रयास किया गया है। राज्य में भाजपा का संगठन 6 क्षेत्रों में विभाजित है। इनमें पश्चिम नवाब सिंह नागर को, ब्रज क्षेत्र में पूरन लाल लोधी तथा कानपुर क्षेत्र में राम किशोर साहू अध्यक्ष बने हैं। काशी क्षेत्र के अध्यक्ष अशोक चौरसिया बनाए गए हैं। अवध के क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी बने हैं। गोरखपुर क्षेत्र की कमान विनोद राय को मिली है जो भूमिहार हैं। प्रदेश में 19 उपाध्यक्ष बनाए गए हैं और इनमें भी ओबीसी वर्ग को प्राथमिकता दी गई है। 8 महामंत्रियों की सूची मे भी 4 ओबीसी वर्ग के हैं। प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी के चयन में सामाजिक संतुलन के साथ-साथ क्षेत्रीय संतुलन साधने का प्रयास भी किया गया है। सपा छोड़कर भापजा मे शामिल हुई पूजा पाल को प्रयागराज में जिम्मेदार दी गई है। एक समय प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद का आतंक था और उस पर पूजा पाल के पति राजू पाल की हत्या का आरोप था। भाजपा ने अपनी कार्यकारिणी के माध्यम से दलित गैर-जाटव समुदाय से पासी और कोरी समाज को भी साधने का प्रयास किया है। भाजपा ने कुशवाहा, मौर्य और सैनी समुदाय से तीन नेताओं को उपाध्यक्ष बनाया है जाट, कुर्मी, यादव और पाल समाज से भी उपाध्यक्ष बनाया गया।

भाजपा की कार्यकारिणी से प्रतीत हो रहा है कि भाजपा के तरकश में अभी कई तीर छिपे हैं। यह बात तो तय हो गई है कि अब भाजपा समग्र हिंदुत्व की राजनीति करने जा रही है। भाजपा व संघ द्वारा अब प्रदेश में बंगाल की ही तरह 94 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं को एकजुट करने का प्रयास किया जाएगा। भाजपा कार्यकारिणी की सूची आते ही सपा, बसपा व कांग्रेस की राजनीतिक हलचलें भी तेज हो गई है। यह चर्चा भी सुनी जा रही है कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के चुनाव वर्ष 2026 के अक्टूबर- नवंबर में भी करवा सकता है क्योंकि आगे जनगणना का वृहद अभियान चलना है। साथ ही भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल तथा असम सहित कई राज्यों के निकाय चुनावों में लगातार मिल रही सफलता से उत्साहित है और अपनी विजय का संवेग बनाए रखने के लिए के लिए विपक्ष को तैयारी के लिए समय नहीं देना चाहती।

डिजिटल इंडिया : परिवर्तन के 11 वर्ष

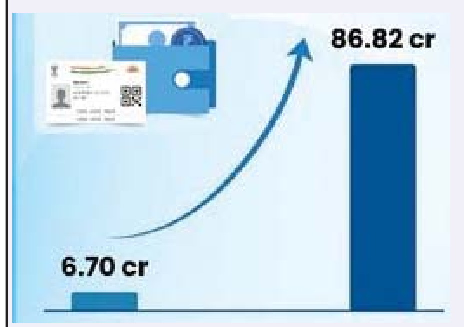

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने देश भर में नागरिकों के जुड़ने, सीखने, लेन-देन करने और सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने के तरीके को बदल दिया है। पिछले 11 वर्ष में भारत ने बड़े पैमाने पर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पारिस्थितिकी में से एक को तैयार किया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने विशेष रूप से ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कौशल प्रदान करने, खेती और कल्याणकारी योजनाओं तक पहुंच बढ़ाई है। भारत डिजिटल पेमेंट और डिजिटल गवर्नेंस नवाचार में ग्लोबल लीडर के तौर पर भी उभरा है। 'इंडिया स्टैक' के कई देशों तक पहुंचने के साथ, डिजिटल इंडिया समावेशी, नागरिक-केंद्रित और प्रौद्योगिकी-आधारित विकास में भारत के वैश्विक नेतृत्व को मजबूत कर रहा है।

डिजिटल इंडिया का विकास

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम 1 जुलाई 2026 को 11 वर्ष पूरे कर रहा है, जो भारत के डिजिटल परिवर्तन की यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव है। 2015 से पहले, सरकारी सेवाओं का मतलब अकसर लंबी पंक्तियाँ, कागजी कार्रवाई और सीमित संपर्क होता था। डिजिटल इंडिया ने इंटरनेट की पहुंच बढ़ाकर और सेवाओं को ऑनलाइन लाकर डिजिटल अंतर को कम करने में सहायता की। इसने डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत किया और सेवाओं को अधिक तेज, पारदर्शी और अधिक सुलभ बनाया। अब लाखों लोग स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, बैंकिंग और कल्याणकारी योजनाओं के लाभ के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। डिजिटल अवसंरचना में सरकारी निवेश ने ग्रामीण और शहरी भारत में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया। इस कार्यक्रम ने किफायती इंटरनेट और बड़े पैमाने पर डिजिटल पहुंच के जरिए डिजिटल टेक्नोलॉजी के लोकतंत्रीकरण को भी बढ़ावा दिया।

पिछले दशक में, डिजिटल इंडिया भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की नींव बन गया है। भारत अब ग्लोबल रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट में सबसे आगे है, जिसमें यूपीआई मात्रा के लिहाज से दुनिया भर के लेनदेन का लगभग 49% संभालता है। डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 12-14% का योगदान देती है। आशा है कि अगले दशक में यह लगभग पांचवां हिस्सा (20%) योगदान देगी। डिजिटल इंडिया ने अलग-अलग क्षेत्र में नवाचार, स्टार्टअप ग्रोथ और प्रौद्योगिकी को अपनाने की गति को तेज किया।

इसने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा में भारत की क्षमताओं को भी मजबूत किया। जैसे-जैसे भारत 'विकसित भारत 2047' की ओर बढ़ रहा है, डिजिटल इंडिया देश भर में समावेशी विकास, प्रौद्योगिकी के मामले में आत्मनिर्भरता और नागरिकों के सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा है।

डिजिटल इंडिया के नौ स्तंभ

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम को 9 स्तंभों के आधार पर बनाया गया था, ताकि डिजिटल पहुंच को बढ़ाने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत ढांचा तैयार किया जा सके।

स्तंभ 1: ब्रॉडबैंड हाईवेज
पूरे देश में डिजिटल अंतर को पाटने के लिए मोबाइल कनेक्टिविटी बहुत ज़रूरी है। भारतनेट-1 और भारतनेट-2 के अंतर्गत, देश भर में 2.22 लाख से ज़्यादा ग्राम पंचायतों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था। जनवरी 2026 तक, लगभग 2.15 लाख ग्राम पंचायतें यानी लगभग 97त्न पंचायतें जुड़ चुकी हैं और देश भर में लगभग 7 लाख किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई है। इससे ग्रामीण भारत में ई-गवर्नेंस, डिजिटल पेमेंट, ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन और स्थानीय उद्यमिता को काफी मजबूती मिली है।

स्तंभ 2: मोबाइल कनेक्टिविटी तक सबकी पहुँच
डिजिटल गवर्नेंस और समावेशी आर्थिक वृद्धि के लिए भरोसेमंद ब्रॉडबैंड ज़रूरी है। मार्च 2026 के अंत तक ब्रॉडबैंड इंटरनेट सब्सक्राइबर की संख्या बढ़कर 106.58 करोड़ हो गई। इससे ग्रामीण भारत में भरोसेमंद 'लास्ट-माइल' डिजिटल कनेक्टिविटी मजबूत हुई।

स्तंभ 3: सार्वजनिक इंटरनेट पहुंच कार्यक्रम
आसानी से उपलब्ध डिजिटल सेंटर नागरिकों को अपने घरों के पास सेवाएं पाने में सहायता करते हैं। अब 6.5 लाख से ज़्यादा सामान्य सेवा केंद्र और 1.6 लाख डाक घर डिजिटल सेवाएं दे रहे हैं। ये केंद्र ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में ई-गवर्नेंस, बैंकिंग और नागरिक सेवाएं प्रदान करते हैं।

स्तंभ 4: ई-गवर्नेंस: टेक्नोलॉजी के ज़रिए सरकार में सुधार
इलेक्ट्रॉनिक रूप से सेवाएँ देने के लिए बनाया गया ई-गवर्नेंस, पेपरलेस, एकीकृत और जनता-केंद्रित प्रशासन को बढ़ावा देता है। आज, डिजिलॉकर और नेशनल सिंगल साइन-ऑन इकोसिस्टम जैसे प्लेटफ़ॉर्म सर्टिफिकेट, आवेदन, भुगतान और सार्वजनिक सेवाओं तक आसानी से पहुँचने में मदद करते हैं, जिससे कागज़ी काम कम होता है और जीवन आसान बनता है।

स्तंभ5: ई-क्रांति: सेवाओं का इलेक्ट्रॉनिक वितरण
डिजिटल इंडिया के सेवा वितरण स्तंभ के तौर पर, ई-क्रांति ने फिजिकल से डिजिटल गवर्नेंस की ओर परिवर्तन को तेज़ किया है। e-Hospital, e-Sanjeevani •õÚU e-Courts जैसे एकीकृत प्लेटफॉर्म ने सर्टिफिकेट, स्वास्थ्य देखभाल और न्याय सेवाओं तक पहुँच को आसान बना दिया है, जिससे शासन ज़्यादा कुशल और नागरिक-केंद्रित हो गया है। क्या आप जानते थे? e-Courts मिशन मोड प्रोजेक्ट ने भारत की कागज़-आधारित न्यायिक प्रणाली को डिजिटल न्याय पारिस्थितिकी में बदल दिया है। 660 करोड़ से ज़्यादा पृष्ठ डिजिटाइज़ किए गए हैं, जबकि 1.07 करोड़ केस ऑनलाइन फ़ाइल किए गए हैं।

स्तंभ 6: सभी के लिए जानकारी
यह स्तंभ सरकारी जानकारी को आसानी से उपलब्ध कराकर और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देकर पारदर्शी और भागीदारी वाले शासन को मज़बूत करता है। MyGo1 और Open Government Data जैसी पहल नागरिकों को जानकारी पाने और सरकारी कार्यक्रमों व सेवाओं से रियल-टाइम में जुड़े रहने में सक्षम बनाती हैं।

स्तंभ 7: इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण
डिजिटल इंडिया ने नीति समर्थन, नवाचार और निवेश के ज़रिए भारत की इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण पारिस्थितिकी को मज़बूत किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन वित्त वर्ष 2014-15 में 1.9 लाख करोड़ से बढ़कर मार्च 2026 तक लगभग 12 लाख करोड़ हो गया है। आज, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फ़ोन निर्माता है, जो ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला में इसकी बढ़ती भूमिका को दिखाता है।

स्तंभ 8: नौकरियों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी
भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर सर्जित कर रही है। नैसकॉम के अनुसार, सूचना प्रौद्योगिकी और ITeS उद्योग ने वित्त वर्ष 2025 में 283 अरब अमरीकी डॉलर का राजस्व सर्जित किया है। भारत के 2,100 से ज़्यादा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) में इंजीनियरिंग, एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और एआई-आधारित भूमिकाओं में लगभग 26 लाख प्रोफेशनल काम करते हैं।

स्तंभ 9: अर्ली हार्वेस्ट प्रोग्राम
बायोमेट्रिक अटेंडेंस, सुरक्षित सरकारी ईमेल, पब्लिक वाई-फाई हॉटस्पॉट, ई-बुक्स, एसएमएस-आधारित मौसम चेतावनी और डिजिटल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म जैसी तुरंत असर दिखाने वाले कार्यक्रमों ने प्रौद्योगिकी-आधारित शासन के फ़ौरन मिलने वाले फ़ायदे दिखाए।
प्रमुख पहल जिन्होंने समावेशी दशक को शक्ति दी डिजिटल इंडिया प्रोग्राम, डिजिटल अंतर को कम करने की पहल से आगे बढ़कर दुनिया के सबसे बड़े डीपीआई इकोसिस्टम में से एक बन गया है, जो विभिन्न क्षेत्रों में शासन को बढ़ावा दे रहा है।

जेएएम ट्रिनिटी: डिजिटल इंडिया की नींव

जेएएम ट्रिनिटी — जन धन, आधार और मोबाइल कनेक्टिविटी — ने भारत में वित्तीय समावेशन और कल्याणकारी योजनाओं के लाभ पहुंचाने के तरीके में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। इसने लाखों लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा और सरकारी सेवाओं तक आसान पहुंच संभव बनाई। जन धन योजना ने पूरे देश में बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को तेज़ी से बढ़ाया। बैंक खाते मार्च 2015 में 14.72 करोड़ से बढ़कर फरवरी 2026 तक 57.78 करोड़ हो गए। इसी दौरान जमा राशि 15,670 करोड़ से बढ़कर 2.94 लाख करोड़ हो गई। इसके अलावा, आधार ने सुरक्षित और तुरंत डिजिटल प्रमाणीकरण के लिए भरोसेमंद बायोमेट्रिक पहचान प्लेटफॉर्म बनाया। आधार नामांकन 2010-11 में 0.42 करोड़ से बढ़कर मार्च 2026 तक 144 करोड़ से अधिक हो गए। मोबाइल कनेक्टिविटी ने पूरे भारत में डिजिटल पहुंच बढ़ाकर जेएएम इकोसिस्टम को और मज़बूत किया। मार्च 2026 तक, 85.5त्न भारतीय परिवारों के पास कम से कम एक स्मार्टफोन था, जबकि 109 करोड़ से अधिक लोगों के पास इंटरनेट की सुविधा थी। इन तीनों (जेएएम) ने मिलकर डिजिटल इंडिया के समावेशी शासन ढांचे की रीढ़ का कार्य किया। जून 2026 तक, 176 करोड़ नागरिकों को सीधे ?51 लाख करोड़ से अधिक का लाभ अंतरित किया गया, जिससे पूरे देश में पारदर्शिता और डिजिटल गवर्नेंस में सुधार हुआ।

केस स्टडी: भारत ने अपनी डिजिटल पहचान में किस प्रकार क्रांतिकारी बदलाव किया

आधार से पहले, लाखों भारतीयों के पास सत्यापन योग्य पहचान पत्र नहीं था, जिससे बैंकिंग, कल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक सेवाओं तक उनकी पहुंच सीमित हो गई थी। आधार ने सुरक्षित बायोमेट्रिक-आधारित डिजिटल पहचान मंच के माध्यम से इस चुनौती का समाधान किया। समावेश पर केंद्रित इस कार्यक्रम की प्रतीक, महाराष्ट्र के तेम्भाली गांव की आदिवासी महिला रंजना सोनावाने, पहली आधार धारक बनीं।

आधार ने न केवल मुख्यधारा के नागरिकों, बल्कि पूरे भारत में आदिवासी और वंचित समुदायों के लिए भी बैंकिंग, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और सरकारी सेवाओं तक पहुंच का विस्तार किया। आधार अधिनियम, 2016 के पारित होने के बाद इस परिवर्तन को और गति मिली, जिसने यूआईडीएआई को वैधानिक अधिकार प्रदान किया और आधार को मूलभूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के रूप में मान्यता दी।

आधार ने बड़े पैमाने पर बैंक खाते खोलने और प्रमाणीकरण को सक्षम बनाकर और वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करके भारत के वित्तीय समावेशन को पुनर्गठित किया।

महिला क्रिकेट टीम को अब आगे की राह तलाशनी होगी

बोरिया मजुमदार

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल होने जा रहे हैं, लेकिन भारत अंतिम चार में नहीं है। प्रशंसकों के लिए यह निश्चित रूप से मायूस करने वाला होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि पिछले दो हफ्तों में हमारी टीम ने जिस तरह का प्रदर्शन किया, उसके आधार पर वह वहां तक पहुंचने की हकदार नहीं थी। टीम एकजुट होकर नहीं खेल पाई।

एक-दो उल्लेखनीय व्यक्तिगत प्रयास जरूर रहे, लेकिन टीम के रूप में प्रदर्शन दिखाई नहीं दिया। यही बात ऑस्ट्रेलिया व दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैचों में भारी पड़ी। अगर कप्तान हरमनप्रीत कौर से शुरुआत करें, तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने एक शानदार पारी खेली थी।

वे अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थीं और उनकी पारी के कारण ही भारत मुकाबले में बना हुआ था। लेकिन बाकी सभी मैचों में वे जरूरत से ज्यादा सतर्क नजर आईं। अगर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी ऐसी ही पारी खेली होती, तो भारत वह मैच जीत सकता था और सेमीफाइनल में पहुंच सकता था। यह निरंतरता की वही कमी है, जो टीम को नुकसान पहुंचा रही है। स्मृति मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबलों में अच्छी शुरुआत करने के बावजूद कोई बड़ी भूमिका नहीं निभाई। सच्चाई यह है कि यही दो मैच मायने रखते थे, क्योंकि बाकी मुकाबले अपेक्षाकृत कमजोर टीमों के खिलाफ थे। ऐसे में जब आपकी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ही बड़ा योगदान नहीं दे पाती, तो यह निश्चित रूप से एक समस्या है। जेमिमा रोड्रिगेज और यास्तिका भाटिया का तो पूरा टूर्नामेंट ही खराब रहा और जेमिमा को कुछ समय लेकर आत्ममंथन करना चाहिए कि आखिर समस्या कहां है। उनमें प्रतिभा है, लेकिन वे खुद भी यह स्वीकारेंगी कि उन्होंने अपने करियर में अभी तक क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया है। 2025 के विश्व कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाए शतक जैसी पारियों को छोड़ दें, तो वे लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं।

दीप्ति शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट लेने के बाद ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ा और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना 356वां विकेट हासिल करने के बावजूद उनका विश्व कप फीका ही रहा। ऋचा भी एक अच्छे मैच के बाद कुछ खास नहीं कर पाईं।

गेंदबाजी में चारणी के अलावा कोई भी अन्य उस समय आगे नहीं आया, जब टीम को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। पूरे टूर्नामेंट में क्षेत्ररक्षण औसत से नीचे रहा और यहां तक कि सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल राधा यादव ने भी कई कैच छोड़े। अब आगे का रास्ता क्या है। अगला पड़ाव एशियन गेम्स हैं और एशियाई स्तर पर कोई बड़ी प्रतिस्पर्धा नहीं होने के कारण भारत आसानी से स्वर्ण पदक जीत सकता है। लेकिन जिस टूर्नामेंट पर ध्यान होना चाहिए, वह फरवरी 2027 में श्रीलंका में होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी है। क्या कोच अमोल मजुमदार कुछ कठोर फैसले ले सकते हैं और टीम को टी-20 के अनुरूप ढाल सकते हैं 2024 और 2026 में ग्रूप चरण से बाहर होना अच्छा नहीं है और दो साल बाद ओलम्पिक को देखते हुए भारत को नए विचारों की जरूरत है। अमोल के लिए आने वाले कुछ महीने बेहद महत्वपूर्ण होंगे कि वे टीम को किस दिशा में ले जाते हैं। हालांकि चोटों ने टीम को प्रभावित किया, लेकिन आपको बैकअप खिलाड़ियों को तैयार रखना होता है और नए खिलाड़ियों को विकसित करना होता है। जब हमारे पास इतनी प्रतिभा और संसाधन हैं, तो स्वाभाविक है कि उम्मीदें भी ऊंची होंगी। अमोल को अपनी रणनीति पर भी विचार करना होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने जेमी को रिटायर आउट क्यों नहीं किया और ऋचा को पहले क्यों नहीं भेजा? नंबर 3 की स्थिति को लगातार क्यों बदला जाता रहा? हालांकि लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन इसका एकमात्र संभावित कारण हो सकता है, लेकिन क्या यह भी सच नहीं है कि नंबर 3 एक विशेष भूमिका है और किसी भी खिलाड़ी को उसमें जमने के लिए लंबा समय चाहिए? गेंदबाजी में प्रेमा रावत को 2 ओवर के बाद बाहर क्यों बैठाया गया? ऐसे कई सवालों के साथ हम विश्व कप को समाप्त कर रहे हैं और अब समय की सबसे बड़ी जरूरत यही होगी कि कुछ जवाब तलाशे जाएं और समाधान लागू किए जाएं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

एआई विकास में मानवीय पहलू को मिले तरजीह

अश्विनी कुमार

मानवता के लिए एआई के करिश्माई फायदे सामने आ रहे हैं। यह तकनीक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सक्षम है लेकिन इससे प्राइवेसी, रोजगार, असमानता और मानवीय मूल्यों से जुड़े खतरे भी हैं। विशेषज्ञों व नीति नियंताओं का दायित्व है कि एआई के उपयोग में मानवीय गरिमा तथा प्रभावी वैश्विक नियमन को प्राथमिकता मिले।

मानवता की सेवा में विज्ञान और नवाचार की असीम संभावनाओं का उपयोग करते हुए, मानव इतिहास के सबसे अहम दौर में, एआई क्रांति एक परिवर्तनकारी क्षण के रूप में दिखाई देती है। प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व चुनौतियों से निबटने में सशक्त बनाने वाली इसकी क्षमता उपलब्धियों पर गर्व करने को जायज ठहराती है, वह उपलब्धि जिससे देवता तक इर्ष्या करें, जो मानवता की संयुक्त आविष्कारक क्षमता का सम्मान है। दोहराव वाले ऊबाऊ कार्यों का स्वचालन कर फुर्सत के लिए समय उपलब्ध कराना, जरूरी सेवाओं तक पहुंच बढ़ाना, चिकित्सा में नई खोजें, दीर्घायु बनाना और बेहतर स्वास्थ्य सेवा यकीनी बनाना, जिसमें कैंसर जांच और घातक बीमारियों का पूर्वानुमान भी शामिल है, रोगियों की रोबोटिक देखभाल, वंचित वर्गों को मदद का अधिक प्रभावी और लक्षित वितरण, सभी के लिए शिक्षा और ज्ञान तथा आपदा प्रबंधन व मौसम पूर्वानुमान सहित अनेक तरीकों से पर्यावरण सततता बनाने में व्यापक योगदान, ये सभी अधिक समावेशी विकास उद्देश्य की दिशा में एआई के कुछ सबसे अहम योगदान हैं।

फिर भी, मानव समाज के भविष्य और 'बुद्धिमत्ता की नियति' से जुड़े प्रश्नों पर दार्शनिकों, वैज्ञानिकों, नेताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के बीच बहस जारी है। इनमें से कुछ उस एआई के भावी विकास व क्रियान्वयन पर विराम लगाने की अपील करते हैं, जो हमारी मानवता की अवधारणा को ही अपहृत कर सकती हो। वहीं एआई समर्थकों के दावे हैं कि इसकी मदद से वस्तुओं एवं सेवाओं की 'अद्भुत प्रचुरता' बनेगी और चेतावनी देते हैं कि नियमन से वैज्ञानिक प्रगति धीमा करने से उन अहम प्रश्नों का सामना करना पड़ेगा जो मानवीय संवेदनाओं और सहस्राब्दियों तक चली सांस्कृतिक विकास-यात्रा के जरिये हमारे अस्तित्व की गहराइयों में समाहित भावनाओं के आधार पर नैतिक सुरक्षा-सीमाओं की आवश्यकता रेखांकित करते हैं। हम कौन हैं, और क्या हम मानवता के ऐसे नए नैरेटिव के लिए तैयार हैं जिसमें कार्यात्मक दक्षता और वादे मुताबिक भौतिक समृद्धि, मानवीय आकांक्षाओं व भावनाओं की गरिमा पर हावी हो जाए, यह एक अपरिहार्य प्रश्न है, जिसने तकनीकी चमत्कारों के आकर्षण में बहने को रोके रखा है। यह इसलिए अहम है कि एआई तकनीक मानवीय भावनाओं और अंतर्ज्ञान को समझने सहित संज्ञानात्मक कौशलों की नकल कर सकती है, व कई बार बेहतर प्रदर्शन भी कर सकती है। क्या हम अनंत तकनीकी उथल-पुथल और रोजगार बाज़ार में दीर्घकालिक

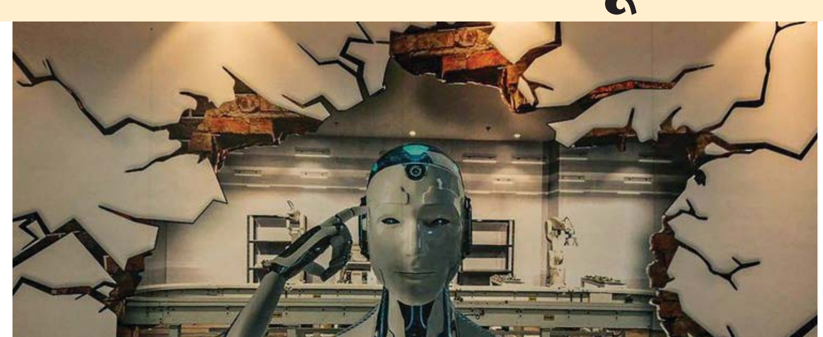

अस्थिरता से पैदा 'तनाव की वैश्विक महामारी' के लिए तैयार हैं, साथ ही 'बेकार' हुए करोड़ों लोगों की अनुमानित भीड़ के लिए, जिसे तकनीकी परिवर्तन के प्रभावों से तालमेल बैठाने में असहनीय तनाव झेलना पड़ेगा? क्या हमारे पास ऐसे सामाजिक-आर्थिक मॉडल हैं जो व्यक्ति का आत्मसम्मान बचा पाएं और सबके लिए अपनत्व व भावनात्मक कल्याण से पूर्ण जीवन यकीनी बनाएं ये दार्शनिक प्रश्न इंसानी नजरिये से पैदा होते हैं, जिसकी नींव मानवीय मूल्यों पर टिकी है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है कि 'मन के उस गुप्त क्षेत्र को कैसे सुरक्षित रखा जाए, जहां से भावनाएं जन्मती हैं, प्रेरणा बहती है, व इच्छाएं स्पंदित होती हैं- मानवीय आत्मा का वह आत्मपरक पक्ष जो हम सब को अनिवार्यत: वह बनाता है, जो हम हैं'।

डेटा गोपनीयता की कमजोरियां, दुष्प्रचार का प्रसार, चुनावी हेराफेरी, सुपर इंटेलिजेंट हथियार प्रणालियों के नियंत्रण से बाहर हो जाने की संभावना, एआई-सक्षम फ़िशिंग मुहिम तथा निगरानी एवं सेंसरशिप- ये कुछ भयावह संकेत हैं जो किसी प्रभावी वैश्विक नियामक के अभाव में सामाजिक उथल-पुथल की वजह बन सकते हैं। राष्ट्र और राज्यों की डिजिटल संप्रभुता बनाए रखना चुनौती है, क्योंकि डेटा पर नियंत्रण राष्ट्रीय सुरक्षा और देशों की रणनीतिक स्वायत्तता से जुड़ा है।

इसलिए, एआई की वह दुनिया, जो मानवता का भविष्य बदलने में सक्षम है, उसे ऐसी नैतिक दृष्टि चाहिये जो तकनीकी प्रगति का तालमेल अच्छे और खुशहाल समाज की जरूरतों से बिठा सके। अति आत्मविश्वास बोध को टेरी ईगलटन ने ऐसे व्यक्त किया: 'अति आत्म-विश्वास अंतत: विनाशकारी होता है, जिसने प्राचीन यूनानियों को भय के चलते आकाश की ओर देखने पर विवश कर दिया था'। स्पेनी दार्शनिक जोसे ओर्तेगा वाई गासेट याद दिलाते हैं 'हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जब मनुष्य स्वयं को बेहद सक्षम मानता है, परंतु उसे नहीं पता कि क्या सृजित करे। वह सबका स्वामी है, किंतु खुद का नहीं। पहले से अधिक साधन, ज्ञान और तकनीक होने के बावजूद, आज की दुनिया भी उसी दिशा में जा रही जिस दिशा में अब तक की सबसे बुरी दुनिया गई थी'।

'एआई के युग में मानव की व्यक्तिगत रक्षा' शीर्षक से पोप लियो चौदहवें का धर्मादेश-पत्र एआई से जुड़े मानवतावादी द्वंद्वों पर नैतिक बहस को व्यक्त करता है। यह स्वीकार करते हुए कि प्रौद्योगिकी मानवता की विरोधी नहीं, पोप ने बल दिया है कि एआई के इस युग में, जब मानव गरिमा अमानवीकरण के नए रूपों से संकटग्रस्त है, तब हम 'गहराई से मानवीय' बने रहें। व्यक्ति की गरिमा के आधार पर नैतिक विवेक के मानदंड स्थापित करने की जरूरत बताते हुए, सम्माननीय पोप ने 'केवल अपनी चलवाने' वाला भ्रम बनाने के विरुद्ध चेताया और ऐसी प्रगति के प्रति सावधान किया जो असमानता बढ़ाती हो तथा लोगों के दुख न हर सके। उन्होंने 'लाभ की पूजा, जो कमजोरों की बलि लेती हो; ऐसी एकरूपता, जो भिन्नता को निष्प्रभावी करे; और यह दिखावा कि एक ही भाषा, डिजिटल भी, में सबकुछ अनुवादित किया जा सके, इसमें व्यक्ति के रहस्य को आंकड़ों में बदलना शामिल है', उसे नामंजूर करने का आह्वान किया है। पूज्य पोप के ये बयान ऐसी दुनिया के लिए नैतिक निर्देश हैं, जिसे अपनी रचनाओं से परे 'इंसानियत की शान और भव्यता' और एआई की 'भावनात्मक, रिश्तों या आध्यात्मिक क्षमताओं' से जुड़ी सीमाएं याद दिलाना ज़रूरी है। पोप द्वारा व्यक्त नैतिक नियम बताता है कि इंसानियत, इंसान की 'नाज़ुकता व नफासत' सीमाओं में ही फलती-फूलती है।

इस प्रकार, इंसानी गरिमा पर आधारित केंद्रीय मानवीय मूल्यों के नज़रिए से देखें तो, दुनिया भर के नेताओं से उम्मीद की जाती है कि वे एआई के इस्तेमाल और नियमन में 'इंसान को केंद्र में रखने वाला' ढंग अपनाएंगे ताकि मानवता का भला हो और उनके फैसलों के केंद्र में व्यक्ति हो। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में पेरिस में हुए विवाटेक सम्मेलन (17-20 जून, 2026) और उससे पूर्व फरवरी 2026 में नई दिल्ली में ग्लोबल इंडिया एआई समिट में ऐसे ही ढंग पर ज़ोर दिया था। इसके लिए एआई का उपयोग नियंत्रित करने को स्वैच्छिक और अबाध्यकारी शर्तों के बजाय मज़बूत व लागू करने योग्य नियमन व्यवस्था की ज़रूरत होगी, जो अत्याधुनिक एआई तक हरेक की पहुंच आसान बनाता हो और जिस दौर में 'सब कुछ एक जैसा करके देखा व किसी चीज़ का सम्मान न रखा' जाता हो-वहां एक साझा और भरोसेमंद एआई पारिस्थितिकी सुनिश्चित की जाए। राष्ट्र इस ऐतिहासिक चुनौती से कैसे निपटेंगे, यह बात नेतृत्व की गुणवत्ता व समानता एवं मानवीय गरिमा पर आधारित समावेशी लोकतंत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को परिभाषित करेगी, जो हमारी सभ्यता की परम चाहत है।

लेखक पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

गोंदिया-पुरी-गोंदिया के मध्य रथयात्रा स्पेशल ट्रेन का परिचालन

भिलाई। रथयात्रा के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए गोंदिया पुरी गोंदिया के मध्य विशेष ट्रेन का परिचालन करने का निणर्य लिया गया है। रथयात्रा के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए गोंदिया-पुरी-गोंदिया के मध्य ट्रेन संख्या 08801/08802 रथयात्रा स्पेशल का संचालन चार-चार फेरों के लिए करने का निर्णय लिया गया है। 02, 09,16 एवं 29 जुलाई 2026 को दुर्ग से 15.58 बजे एवं रायपुर से 17.10 बजे गोंदिया-पुरी-गोंदिया रथयात्रा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। यह विशेष ट्रेन मार्ग में डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, महासमुंद, खरियार रोड, कांटाबांजी, टिटलागढ़, बलांगीर, बरगढ़ रोड, संबलपुर, अंगुल, तालचेर रोड, ढेंकानाल, कटक, भुवनेश्वर एवं खुर्दा रोड स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में निर्धारित समयानुसार ठहराव करेगी।

पाटन क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के प्रति वन विभाग सतर्क

दुर्ग। दुर्ग वनमंडल के अंतर्गत पाटन क्षेत्र में वन एवं पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक टीम पूरी तरह मुस्तैद है। ग्राम देमार-अरसनारा मुख्य मार्ग के समीप वन विभाग के अधिकारियों द्वारा क्षेत्र का सघन मुआयना कर प्राकृतिक परिस्थितियों का जायजा लिया गया। विभागीय अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम अरसनारा स्थित एक निजी स्वामित्व की भूमि पर वर्षा जल की सुचारू निकासी के लिए कार्य कराया जा रहा था। इस कार्य के दौरान कहुआ प्रजाति का एक वृक्ष (लंबाई लगभग 6-7 मीटर एवं गोलाई 100 से.मी.) प्राकृतिक रूप से जड़ से उखड़कर गिर गया। प्रशासनिक सजगता का परिचय देते हुए उक्त वृक्ष को तुरंत स्थानीय ग्रामवासी श्री बुधारू साहू के सुपुर्दनामे में सुरक्षित सौंप दिया गया है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र में वन संपदा की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राजस्व और वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा आवश्यक प्रक्रियात्मक एवं अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

रोटरी क्लब ने श्रमिकों को छाता बांटा

दुर्ग। रोटरी क्लब ऑफ भिलाई ग्रेटर, डिस्ट्रिक्ट 3261 ने मानसून को देखते हुए दुर्ग रेलवे स्टेशन और फायर ब्रिगेड विभाग में कार्यरत कर्मचारियों व श्रमिकों को छाते वितरित किए। क्लब अध्यक्ष संदीप अग्रवाल के अनुसार पहल का उद्देश्य यह है कि बारिश के मौसम में काम बाधित न हो और श्रमिक समय पर ड्यूटी पर पहुंच सकें। छाता पाकर कई कर्मचारियों ने इसे केवल छाता नहीं, बल्कि बरसात से बचाने वाला सुरक्षा कवच बताते हुए क्लब के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में क्लब के कोषाध्यक्ष सर्वेश अग्रवाल, रेलवे विभाग से हिमांशु कुमार, जितेंद्र प्रसाद, फायर ब्रिगेड विभाग से नागेंद्र सिंह, संतोष पांडे, प्रवीण कुमार उपस्थित रहे। रोटरी क्लब ने पिछले वर्ष शासकीय स्कूल जुनवानी के विद्यार्थियों को रेनकोट दिए गए थे।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने बाल संरक्षण संस्थानों का किया निरीक्षण, शिक्षा, सुरक्षा, पुनर्वास पर दिया जोर

कलेक्टर ने बच्चों से किया संवाद, संस्थानों की व्यवस्था सुधार व बच्चों के पुनर्वास को लेकर अधिकारियों से की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टरअभिजीत सिंह ने सोमवार को महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शासकीय बालगृह, बाल खुला आश्रय गृह, सेवा भारती मातृछाया बोरसी, सम्प्रेक्षण गृह पुलगांव एवं प्लेस ऑफ सेफ्टी (बालक) का भ्रमण कर बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, भोजन एवं पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सभी संस्थानों में बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सबसे पहले कलेक्टर सिंह शासकीय बालगृह पहुंचे, जहां वर्तमान में 16 बच्चे निवासरत हैं। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी दिनचर्या, पढ़ाई और खान-पान की जानकारी ली। बच्चों के शैक्षणिक स्तर का आकलन करने के लिए उन्होंने गणित के जोड़-घटाव से जुड़े प्रश्न भी पूछे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधीक्षक को निर्देशित किया कि प्रत्येक बच्चे का उसकी आयु के अनुरूप विद्यालय में प्रवेश कराया जाए तथा अध्ययन सामग्री एवं पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो। उन्होंने बालगृह में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नियमित शैक्षणिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने को कहा।

इसके बाद कलेक्टर श्री सिंह ने बाल खुला आश्रय गृह का निरीक्षण किया, जहां सात बच्चे रह रहे हैं। उन्होंने सभी बच्चों की नियमित काउंसिलिंग कराने और उनके पुनर्वास की दिशा में प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि सात में से पांच बच्चों को बिहार से एक ठेकेदार द्वारा फैक्ट्री में काम कराने के उद्देश्य से लाया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को संबंधित ठेकेदार एवं फैक्ट्री प्रबंधन के विरुद्ध बाल संरक्षण कानूनों के तहत तत्काल कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मातृछाया बोरसी भी पहुंचे

निरीक्षण के क्रम में कलेक्टर सिंह सेवा भारती मातृछाया बोरसी भी पहुंचे। यहां उन्होंने नवजात एवं छोटे बच्चों की देखभाल की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। संस्थान में छह केयर टेकर बच्चों की देखरेख कर रहे हैं। कलेक्टर ने यहां की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए बच्चों की देखभाल और स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

बाल संप्रेक्षण गृह में कलेक्टर ने बालकों से किया संवाद

इसके पश्चात उन्होंने पुलगांव स्थित सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया। यहां वर्तमान में 38 किशोर रह रहे हैं, सम्प्रेक्षण गृह में किसी अपराध में शामिल पाए गए 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को जेल भेजने के बजाय एक सुरक्षित और सुधारात्मक वातावरण में रखकर उनका पुनर्वास करना है। बच्चों को अपराधी बनने से रोकना, उनकी मानसिक और शारीरिक स्थिति में सुधार करना है। कलेक्टर ने बच्चों से संवाद कर भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों के व्यक्तित्व विकास, शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

प्लेस ऑफ सेफ्टी (बालक) का भी लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर पुलगांव स्थित प्लेस ऑफ सेफ्टी (बालक) का भी जायजा लिया। यहां 16 से 18 वर्ष आयु वर्ग के गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों को पृथक रूप से रखा जाता है। वर्तमान में यहां 38 किशोर रह रहे हैं। कलेक्टर ने संस्थान की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के साथ ही स्टॉक पंजी का अवलोकन किया और आवश्यक अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी आरके जाम्बुलकर, परियोजना समन्वयक चंद्रप्रकाश पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पावर हाउस रेलवे स्टेशन पर श्रद्धांजलि सभा कल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एक जुलाई 1992 को भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन पर हुई फायरिंग में 17 मजदूरों की मौत हो गई थी। छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पावर हाउस रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक एक पर 17 मजदूरों की याद में शहीद दिवस मनाया जा रहा है। इस दौरान वहां एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रखा गया है। कार्यक्रम के संबंध में सोमवार को छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा द्वारा प्रेस वार्ता में जानकारी दी गई।

छमुमो के भीमराव बागडे व जनकलाल ठाकुर ने संयुक्त रूप से बताया कि छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा (समन्वय समिति) के नेतृत्व में 1 जुलाई 2026, दिन बुधवार को भिलाई पावर हाउस में आयोजित है। उसके लिए मोर्चा के मजदूर किसान व समर्थकगण पावर हाउस के पास छावनी के लाल मैदान में सुबह 09:00 बजे से एकत्रित होंगे, वहां से शहीद परिवारों को लेकर गोलीकांड घटना स्थल रेल्वे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक में करीब 11:30 बजे पहुंचेंगे वहां शहीदों के छांयाचित्रों पर श्रद्धा सुमन अर्पित करके वापस पावर हाउस से रैली प्रारंभ करेंगे जो छावनी चौक होकर शहीद शंकर गुहा नियोगी चौक पहुंचेंगे, वहां नियोगी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात श्रद्धांजलि सभा करेंगे । सभा को छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा (समन्वय समिति) के वरिष्ठ नेताओं के अलावा छत्तीसगढ़ के जन संगठनों के अनेक प्रतिनिधि तथा दीगर प्रांत के प्रतिनिधि भी संबोधित करेंगे।

धनरूपी लक्ष्मी का उपयोग धर्म, शिक्षा, सेवा और जरूरतमंदों असहायों की मदद में करें तो हरि कृपा मिलेगीः डॉ. पाराशर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज, भिलाई परिसर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का समापन सोमवार श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ हुआ। 23 जून से शुरू हुए ज्ञानयज्ञ में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर कथा सुनी। कथा व्यास डॉ. श्याम सुंदर पाराशर महाराज (श्रीधाम वृंदावन) ने अंतिम दिन श्रीमद्भागवत का सार प्रस्तुत करते हुए मानव जीवन के आदर्श, मित्रता, दान, सेवा एवं भक्ति का प्रेरणादायी संदेश दिया।

महाराज ने कहा कि माता लक्ष्मी और भगवान नारायण समस्त सृष्टि के माता-पिता हैं। लक्ष्मीजी के साथ हमारा संबंध माता या पुत्री के रूप में होना चाहिए। जब धन को सद्कार्यों, धर्म, सेवा और परोपकार में लगाया जाता है, तभी उसका वास्तविक सदुपयोग होता है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति धन को केवल भोग-विलास का साधन मानता है, वह कभी स्थायी सुख प्राप्त नहीं कर सकता। रुक्मिणी विवाह प्रसंग पर उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि अपने धनरूपी लक्ष्मी का उपयोग धर्म, शिक्षा, सेवा तथा गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता में करें। दरिद्र नारायण की सेवा ही भगवान की सच्ची आराधना है। सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए महाराज ने सच्ची मित्रता का आदर्श प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वास्तविक मित्र वही है जो अपने मित्र के कष्ट को बिना बताए समझे और उसकी सहायता करे।

कलेक्टर ने नशा मुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज सुपेला स्थित कल्याणी सोशल वेलफेयर एंड रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संचालित नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण कर उपचार, परामर्श एवं पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में भर्ती मरीजों से चर्चा कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, उपचार एवं काउंसलिंग की जानकारी ली। कलेक्टर ने केंद्र के संचालक अजय कल्याणी को भोजन, दवाइयों की उपलब्धता, सुरक्षा व्यवस्था तथा चिकित्सकीय सेवाओं की समीक्षा करते हुए सभी आवश्यक सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र केवल उपचार का स्थान नहीं, बल्कि नशे की लत से जूझ रहे लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने मरीजों के पुनर्वास पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

संचालक अजय कल्याणी ने बताया कि केंद्र में मरीजों को सकारात्मक वातावरण के साथ नियमित काउंसलिंग, योग, व्यायाम, मेडिटेशन एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, जिससे वे स्वस्थ एवं सामान्य जीवन की ओर लौट सकें। उन्होंने बताया कि मरीजों को सामान्यतः एक माह तक केंद्र में रखकर उपचार एवं पुनर्वास कराया जाता है। घर लौटने के बाद भी उनकी नियमित फॉलोअप काउंसलिंग की जाती है, ताकि वे दोबारा नशे की ओर न लौटें।

बीएसपी में सेफ्टी सर्कल प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग (एसईडी) द्वारा दो दिवसीय एकीकृत सेफ्टी सर्किल (आईएससी) प्रतियोगिता 'सुरक्षा-2026' का शुभारंभ 27 जून 2026 को मानव संसाधन विकास विभाग (एचआरडीडी) के सभागार में किया गया। यह प्रतियोगिता 27 एवं 29 जून 2026 को आयोजित की गई। इसका उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा के क्षेत्र में कर्मचारियों की सहभागिता, नवाचार तथा सतत सुधार को प्रोत्साहित करना है।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बीके बेहरा ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सुरक्षा कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग है तथा सुरक्षित एवं दुर्घटनारहित कार्यस्थल के निर्माण के लिए नवाचार आधारित प्रयासों को निरंतर बढ़ावा दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ, जिसके पश्चात श्री अजय टल्लू ने उपस्थित प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई।

प्रतियोगिता के प्रथम दिवस 20 सेफ्टी सर्किल टीमों ने चार मूल्यांकन पैनलों के समक्ष अपने केस स्टडी प्रस्तुत किए। प्रत्येक पैनल में दो विशेषज्ञ निर्णायक शामिल थे। प्रस्तुतियों में कार्यस्थल पर संभावित जोखिमों की पहचान, दुर्घटना की संभावनाओं में कमी तथा सुरक्षित कार्य प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने संबंधी विभिन्न नवाचारी पहलें प्रस्तुत की गईं। प्रतियोगिता के द्वितीय दिवस 29 जून 2026 को 27 सेफ्टी सर्किल टीमों ने अपने केस स्टडी प्रस्तुत किए। इस प्रकार दोनों दिनों में कुल 47 केस स्टडी का मूल्यांकन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों का चयन उच्च स्तरीय एकीकृत सेफ्टी सर्किल प्रतियोगिताओं में भिलाई इस्पात संयंत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक डी सत्पथी, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी, निर्णायक, सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारी व प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सेफ्टी सर्किल टीमों की उपस्थिति रही।

भिलाई इस्पात संयंत्र में नेहरू पुरस्कार वितरण समारोह का द्वितीय चरण संपन्न

266 अधिकारी व कर्मचारी अपने सामूहिक उत्कृष्ट योगदान के लिए हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की ऐतिहासिक नेहरू अवार्ड योजना के अंतर्गत वर्ष 2025 के लिए नेहरू पुरस्कार वितरण समारोह का द्वितीय एवं अंतिम चरण 29 जून 2026 को संपन्न हुआ। दो दिवसीय इस पुरस्कार वितरण समारोह के दूसरे दिन संयंत्र के विभिन्न विभागों के 34 समूहों के कुल 266 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके सामूहिक उत्कृष्ट योगदान के लिए जवाहर लाल नेहरू समूह पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इससे पहले प्रथम चरण में 274 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया था, इस प्रकार दोनों चरणों में कुल 540 पुरस्कार विजेताओं को नेहरू अवार्ड योजना के अंतर्गत सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार योजना का उद्देश्य उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, नवाचार एवं टीम भावना को प्रोत्साहित करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के योगदान का सम्मान करना है।

उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र की नेहरू अवार्ड योजना संगठन की सबसे पुरानी एवं प्रतिष्ठित पुरस्कार योजनाओं में से एक है, जिसके माध्यम से उत्कृष्ट व्यक्तिगत एवं सामूहिक योगदान को सम्मानित कर संगठन में उत्कृष्ट कार्य संस्कृति, नवाचार तथा टीम भावना को निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है।समारोह के मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक प्रभारी अजय कुमार चक्रवर्ती रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम, पवन कुमार, प्रबीर कुमार सरकार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनीता द्विवेदी तथा तुषार कांत उपस्थित रहे। समारोह में संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी, ऑफिसर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी, विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि, पुरस्कार विजेता तथा उनके परिजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस मौके पर मुख्य अतिथि अजय कुमार चक्रवर्ती ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि समूह पुरस्कार संगठन में सामूहिक कार्यसंस्कृति, परस्पर विश्वास तथा टीम भावना का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़ी उपलब्धि के पीछे टीम के प्रत्येक सदस्य का योगदान महत्वपूर्ण होता है और इसी भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से समूह पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सम्मानित समूह भविष्य में भी उत्कृष्ट कार्य करते हुए अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे तथा संयंत्र की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे। साथ ही उन्होंने सभी से आग्रह किया कि आप हमेशा कुछ नया सीखते रहिए, ये आदत ही आपको जीवन में सफलता दिलाएगी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में जेएन ठाकुर ने उपस्थित अतिथियों, पुरस्कार विजेताओं एवं उनके परिजनों का स्वागत करते हुए नेहरू पुरस्कार योजना की विशेषताओं तथा द्वितीय चरण के पुरस्कारों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी सम्मानित समूहों को शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट कार्य संस्कृति एवं टीम भावना को और अधिक सुदृढ़ करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका मीणा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अंजना विनोद ने प्रस्तुत किया। प्रशस्ति पत्र हेतु पुरस्कार विजेताओं के नामों का वाचन समायला अंसारी तथा मिहिर मनोहर द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में इस्पात बिरादरी के सदस्य एवं पुरस्कार विजेताओं के परिजन उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

कबीर प्राकट्य दिवस पर हुई चौका आरती

कोरबा। अपने समय के क्रांतिकारी कवि और आध्यात्मिक गुरु संत कबीर दास का प्राकट्य दिवस आज कोरबा नगर के अलावा बांकीमोगरा, पाली, कटघोरा और अन्य क्षेत्रों में परंपरागत रूप से मनाया गया। कबीर पंथ के अनुयायियों ने इस मौके पर चौका आरती करने के साथ कबीर की वाणी को याद किया। कोरबा के शारदा विहार और पोड़ीबहार क्षेत्र में कबीर पंथ के द्वारा स्थापित मठों में विशेष आयोजन किए गए। ग्रामीण अंचल के कुदुरमल में मुक्तामणि नाम साहेब स्थल पर भी जयंती पर्व मनाया गया। अन्य क्षेत्रों में सुबह से प्राकट्य दिवस के उपलक्ष में आयोजन करते हुए संत कबीर दास की साखियों और उपदेश का लोगों ने श्रवण किया इनके माध्यम से अपने समय में कबीर दास ने विशेष तौर पर सामाजिक बुराइयों और पाखंड पर चोट की थी।

प्रशासन की अभिनव पहल से गांव-गांव पहुंच रही साक्षरता और जागरूकता

सुकमा। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन और मार्गदर्शन में संचालित मॉडल साक्षरता कार्यक्रम एवं योजना जत्था के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और जनजागरूकता का प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को सुकमा ब्लॉक के ग्राम पंचायत मूरतोंडा के पुटुक रास में 105 तथा ग्राम पंचायत झापरा के स्कूल पारा में 120 ग्रामीणों की सहभागिता के साथ कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरपंच, सचिव एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और प्रशासन की इस पहल को उत्साहपूर्वक समर्थन प्रदान किया। इसी क्रम में शनिवार को छिंदगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत पेदारास के पेरमा पारा में 110 तथा ग्राम पंचायत केरातोंग के महिमा पारा में 115 ग्रामीणों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशासन द्वारा शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों तक पहुंचाई गई। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई और इसे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में प्रशासन का महत्वपूर्ण एवं जनहितकारी प्रयास बताया।

डॉ. किरणमयी नायक के नेतृत्व में महिला आयोग की विशेष जनसुनवाई

सुकमा। जिले में महिलाओं को त्वरित न्याय और उनकी समस्याओं के प्रभावी समाधान के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग विशेष जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस पहल के माध्यम से जिले की पीड़ित एवं जरूरतमंद महिलाओं को अपनी शिकायतें सीधे आयोग के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, सुकमा में किया जाएगा।राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक के नेतृत्व में आयोजित इस जनसुनवाई में जिले से प्राप्त 23 प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी। आयोग की सदस्य दीपिका सोरी और ओजस्वी मंडावी भी उपस्थित रहकर शिकायतों पर सुनवाई करेंगी तथा संबंधित मामलों के त्वरित और न्यायसंगत निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश देंगी। आयोग का उद्देश्य महिलाओं को शीघ्र न्याय उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान सुनिश्चित करना है।महिला आयोग ने पीड़ित महिलाओं से अपील की है कि वे अपनी शिकायतें और समस्याएं बेझिझक आयोग के समक्ष रखें।

रायपुर में देर रात पुलिस का मेगा कॉम्बिंग ऑपरेशनः 130 जवान मैदान में, 10 स्थायी वारंटी समेत 20 पर कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के पश्चिमी क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने देर रात व्यापक कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। करीब 130 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए वारंटियों, निगरानी बदमाशों, गुंडा तत्वों और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच की। अभियान के दौरान 10 स्थायी वारंट और 6 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए, जबकि 20 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

यह अभियान संदीप पटेल के निर्देशन में चलाया गया। इसमें अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त ईशु अग्रवाल, देवांश सिंह राठौर, नवनीत पाटिल सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों के थाना प्रभारी और पुलिस बल शामिल रहे।

कार्रवाई से पहले थाना टिकरापारा परिसर में सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को ब्रीफिंग दी गई। इसके बाद पुलिस टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में संवेदनशील इलाकों, बीएसयूपी कॉलोनियों, आरडीए कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया।

अभियान के दौरान कोटा क्षेत्र से 22 संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़कर पूछताछ और सत्यापन किया गया। वहीं 25 निगरानी बदमाशों, 45 गुंडा बदमाशों और 2 चाकूबाजों की भी जांच की गई। पुलिस ने उनके परिजनों की मौजूदगी में भविष्य में किसी भी आपराधिक गतिविधि से दूर रहने की सख्त हिदायत दी।

पुलिस ने डी.डी. नगर, टिकरापारा, पुरानी बस्ती, कबीर नगर, सरस्वती नगर और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन जांच की गई।

रायपुर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों, वारंटियों, हिस्ट्रीशीटरों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ इस तरह के विशेष कॉम्बिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए नागरिकों को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

सहकारिता आंदोलन को जनभागीदारी का महा अभियान बना रही है साय सरकार-केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारिता सप्ताह के शुभारंभ जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, रायपुर में सहकारिता मंत्री केदार कश्यप के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि लोगों को साथ लेकर विकास करने की एक मजबूत सोच है। सरकार का मुख्य लक्ष्य सहकारिता को एक जनआंदोलन बनाकर प्रत्येक ग्रामीण परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है।

सहकारिता क्षेत्र को मिली नई पहचान

मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद, केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश में सहकारिता क्षेत्र को एक नई और मजबूत पहचान मिली है। पिछले पांच वर्षों में सहकारिता के माध्यम से किसानों, महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए कई ऐतिहासिक व महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

गांव-गांव तक सहकारिता को मजबूत कर रही सरकार

राज्य सरकार के प्रयासों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सहकारिता को गांव-गांव तक मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्राथमिक कृषि साख समितियों को सशक्त बनाया जा रहा है, किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है तथा सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

साथ मिलकर विकास ही सहकारिता का मूल मंत्र

मंत्री कश्यप ने कहा कि साथ मिलकर विकास ही सहकारिता का मूल मंत्र है और इसी भावना से आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण संभव होगा। उन्होंने सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों और कर्मचारियों से पूरी सेवा, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने का आग्रह किया, ताकि सहकारी व्यवस्था पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

उन्होंने आगे कहा कि यह सहकारिता सप्ताह केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि सहकारिता की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का महाअभियान है। सप्ताहभर चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को सहकारिता से जोड़ने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई गति देने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सहकारिता आंदोलन के जनक पंडित वामनराव बलिराम लाखे की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर की।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर के अध्यक्ष निरंजन सिन्हा, उपाध्यक्ष अभिनेष कश्यप सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सहकारी संस्थाओं के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

सरस्वती साइकिल योजना से वैष्णवी के सपनों को मिली नई उड़ान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरस्वती साइकिल वितरण योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक प्रमुख कल्याणकारी पहल है, जिसके तहत हाई स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं को स्कूल तक आवागमन सुगम बनाने के लिए नि:शुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना, उन्हें दूरदराज के क्षेत्रों से सुरक्षित और समय पर स्कूल पहुँचाने में मदद करना और ड्रॉप-आउट दर को कम करना है।

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल योजना बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में सार्थक पहल साबित हो रही है। सूरजपुर जिले के शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, सूरजपुर की छात्रा वैष्णवी कसेरा को नि:शुल्क साइकिल प्रदान की गई, जिससे उसके शिक्षा के सपनों को नई उड़ान मिली है। बाजारपारा निवासी वैष्णवी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि पहले वह प्रतिदिन पैदल विद्यालय आती-जाती थी, जिससे समय के साथ-साथ पढ़ाई पर भी प्रभाव पड़ता था। अब शासन से नि:शुल्क साइकिल मिलने के बाद विद्यालय पहुँचना आसान हो जाएगा और वह नियमित रूप से अध्ययन कर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि अब मेरे सपनों को नया पंख मिल गया है। पहले पैदल विद्यालय आती थी, अब साइकिल से विद्यालय जाऊंगी और मन लगाकर पढ़ाई कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करूंगी।

वैष्णवी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। सरस्वती साइकिल योजना से छात्राओं में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ा है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग और अधिक सुगम हुआ है।

सहकारिता सप्ताह : सोसायटियों में ध्वजारोहण, उप-नियमों की जानकारी पाकर जागरूक हुए किसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ में 29 जून से 6 जुलाई तक 'सहकारिता सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा हैस इसका मुख्य उद्देश्य किसानों, महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है स राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के अवसर पर सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की विभिन्न प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में सहकारिता ध्वजारोहण कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। सहसपुर समिति में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में अंचल के अनेक जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों और वक्ताओं ने सहकारिता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ है। वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सोसायटियों के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ और सशक्त बनाना ही शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात सभी समितियों में विशेष सभाओं का आयोजन किया गया। इन सभाओं में उपस्थित किसानों और समिति के सदस्यों के समक्ष संस्था के उप-नियमों का विस्तार से वाचन कर उन्हें महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को समिति के नियमों, उनके अधिकारों और सहकारी प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करना था, ताकि पूरी पारदर्शिता के साथ सहकारिता के उद्देश्यों को जमीनी स्तर पर अमलीजामा पहनाया जा सके।

इस गरिमापूर्ण अवसर पर सहकारी समितियों के प्रबंधक, संचालक मंडल के सदस्य, स्थानीय ग्रामीण जनप्रतिनिधि और क्षेत्र के प्रगतिशील किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विधायक दीपेश साहू ने किया राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। राष्ट्रीय पल्स पोलियो दिवस के अवसर पर रविवार को 100 बिस्तर मातृ एवं शिशु (एमसीएच) अस्पताल, बेमेतरा में जिला स्तरीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि विधायक दीपेश साहू एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद जिंदगी की पिलाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया तथा जिलेवासियों से अपने 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने की अपील की।

कार्यक्रम में जिला भाजपा प्रभारी राजेन्द्र शर्मा, पार्षद नीतु कोठारी, गौरव साहू, निखिल साहू, चांदनी रोशन दत्ता, रवि मुलवानी, महेश साहू, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. लोकेश साहू, नोडल अधिकारी डॉ. बी.एल. राज, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री लता बंजारे, आरएमएनसीएच सलाहकार, एनसीडी डाटा मैनेजर, आईडीएसपी, वीबीडीटीएस सुपरवाइजर, जिला मीडिया प्रभारी संजय तिवारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर ने बताया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत जिले में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 96,085 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए पूरे जिले में 801 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं तथा 14 ट्रांजिट टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि 28 जून को बूथ दिवस के रूप में सभी निर्धारित केंद्रों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। वहीं 29 एवं 30 जून को अभियान के दौरान छूटे हुए बच्चों तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर पोलियो की खुराक उपलब्ध कराएंगी, ताकि कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान बच्चों के स्वस्थ, सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भारत ने पोलियो जैसी गंभीर बीमारी पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त की है, लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए समाज के प्रत्येक नागरिक की निरंतर सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने सभी माता-पिता एवं अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद जिंदगी की अवश्य पिलाएं। कोई भी बच्चा इस अभियान से छूटना नहीं चाहिए।

विधायक श्री साहू ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं तथा जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से अभियान को सफल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सशक्त बनाया जा रहा है और टीकाकरण अभियान बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने जिलेवासियों से आह्वान किया कि वे स्वयं तो अपने बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाएं ही, साथ ही अपने आसपास के परिवारों को भी जागरूक करें, जिससे बेमेतरा का कोई भी बच्चा इस सुरक्षा कवच से वंचित न रहे।

आषाढ़ के प्रथम दिवस पर दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 का हुआ भव्य शुभारंभ

रामगढ़ सरगुजा अंचल की ऐतिहासिक धरोहर है : मंत्री अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आषाढ़ मास के प्रथम दिवस पर सरगुजा अंचल की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत के प्रतीक दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 का शुभारंभ सोमवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया।

पारंपरिक गरिमा, सांस्कृतिक उल्लास और ऐतिहासिक चेतना से ओतप्रोत इस आयोजन में लोक संस्कृति, साहित्य, पुरातत्व और पर्यटन का अद्भुत समागम देखने को मिला। महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर स्कूली बच्चों एवं स्थानीय कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया, वहीं नई दिल्ली से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भव्य रामलीला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर सांसद चिंतामणि महाराज, लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज, जिला एवं जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, इतिहासकार, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि रामगढ़ महोत्सव प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, इतिहास, पुरातत्व, साहित्य और पर्यटन का अद्भुत संगम है, जो आने वाली पीढ़ियों को अपनी गौरवशाली विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

मंत्री श्री अग्रवाल ने रामगढ़ महोत्सव के 50 वर्ष पूर्ण होने पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रामगढ़ केवल सरगुजा ही नहीं, बल्कि पूरे देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र है। राज्य सरकार इसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने बताया कि महोत्सव के दौरान आगंतुकों को विश्व की प्राचीनतम रंगशाला के रूप में प्रसिद्ध सीताबेंगरा गुफा, ऐतिहासिक जोगीमारा गुफा, रामगढ़ पर्वत श्रृंखला तथा अन्य महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इतिहास एवं पुरातत्व विशेषज्ञ इन स्थलों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक महत्व की विस्तृत जानकारी भी प्रदान करेंगे, जिससे नई पीढ़ी अपनी ऐतिहासिक विरासत को बेहतर ढंग से समझ सकेगी।

उन्होंने कहा कि रामगढ़ महोत्सव क्षेत्रीय पर्यटन को नई दिशा देने के साथ-साथ सरगुजा की ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि महोत्सव के समापन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

सांसद चिंतामणि महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि रामगढ़ भारत की प्राचीन सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल का समय यहां व्यतीत किया था। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास ने भी यहीं मेघदूतम् की रचना की थी। सीताबेंगरा, जोगीमारा, राम-जानकी मंदिर तथा हाथीपोल जैसे ऐतिहासिक स्थल विश्व पर्यटन के मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने की क्षमता रखते हैं।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

क्या ट्रेंड को फॉलो नहीं करतीं अनन्या पांडे?

बताई अपनी पसंद, नई पीढ़ी से की ये अपील

अनन्या पांडे ने हाल ही में बताया है कि वह ट्रेंड को क्यों नहीं फॉलो करती हैं। उन्होंने नई पीढ़ी से एक अपील भी की है।

सेलिब्रिटी पर हमेशा ट्रेंड्स के साथ चलने का दबाव रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि फैंस उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। उन पर ये दबाव इसलिए भी रहता है कि क्योंकि ब्यूटी ट्रेंड्स रातों-रात बदल जाते हैं। हालांकि अनन्या पांडे के लिए, आज खूबसूरती का मतलब ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं, बल्कि अपनी असलियत को अपनाना है।

ट्रेंड को फॉलो नहीं करतीं अनन्या

एक्ट्रेस ने बताया कि वह कभी भी ब्यूटी ट्रेंड्स के पीछे नहीं भागतीं, बल्कि वही चीजें अपनाती हैं, जो उन्हें स्वाभाविक रूप से पसंद आती हैं।

अपने लिए सही चीजें चुनती हैं अनन्या

'कॉल मी बे' की एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं। मुझे असल में ऑनलाइन सर्च करना पड़ता है कि अभी क्या ट्रेंड कर रहा है, वरना मुझे पता ही नहीं चलेगा। मुझे बस इतना पता है कि मेरे लिए क्या सही है।'

अनन्या का काम

अनन्या को फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' और 'चांद मेरा दिल' जैसी हालिया फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली, हालांकि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाईं। सफलता और असफलता दोनों का अनुभव कर चुकीं यह एक्ट्रेस बड़े पर्दे के जादू में पक्का यकीन रखती हैं।

नई पीढ़ी से अपील

अनन्या पांडे कहती हैं 'मुझे लगता है कि सिनेमा हमेशा रहेगा। मुझे थिएटर में जाकर हर तरह की फिल्में देखना पसंद है। मुझे सबसे ज्यादा मजा हर हफ्ते रिलीज होने वाली फिल्में देखने में आता है।

मेरे लिए, फिल्में देखना मेरे बड़े होने का एक अहम हिस्सा रहा है। मैं नई पीढ़ी को थिएटर जाकर फिल्में देखने और हमारे सिनेमा को जिंदा रखने के लिए प्रोत्साहित करूंगी।'

सुपर सुब्बू में ह्यूमर और सच्ची मानवीय भावनाओं का बेहतरीन संतुलन है मिथिला पालकर

अभिनेत्री मिथिला पालकर अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज सुपर सुब्बू की रिलीज की तैयारी में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उनका किरदार हास्य और वास्तविक मानवीय भावनाओं के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित करता है। सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया। इसमें सुंदीप किशन और मुरली शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी सुब्रमण्यम सुब्बू' चिल्लुकुरी राव के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी पोस्टिंग काल्पनिक गांव माकीपुर में होती है, जहां कोई भी शिक्षक जाना नहीं चाहता। सुब्बू अपने परिवार के सामने सम्मान बनाए रखने के इरादे से गांव पहुंचता है और पढ़ाने के लिए तैयार रहता है, लेकिन उसे गांव में सबसे असहज जिम्मेदारी यानी सेक्स एजुकेशन पढ़ाने का काम सौंप दिया जाता है।

सीरीज में अपने किरदार को लेकर मिथिला पालकर ने कहा, मुझे सुपर सुब्बू' की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात यह थी कि यह हास्य के साथ-साथ वास्तविक मानवीय भावनाओं को भी खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। तमाम अफरा-तफरी, जिज्ञासा और हंसी-मजाक के पीछे रिश्तों, स्वीकार्यता और एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझने की कहानी छिपी हुई है। निर्देशक मल्लिक राम ने जो दुनिया रची है, वह अनोखी, जीवंत और ऊर्जा से भरपूर है। इस यात्रा में हर किरदार कुछ यादगार लेकर आता है। उन्होंने आगे कहा, ऐसी कहानी का हिस्सा बनना जो मनोरंजक होने के साथ-साथ सार्थक भी हो, मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा।

नेटफ्लिक्स के साथ काम करना हमेशा घर वापसी जैसा महसूस होता है। मैं उनके शुरुआती ओरिजिनल शो लिटल थिंग्स का हिस्सा रही हूं और अब उनकी पहली तेलुगु ओरिजिनल सीरीज सुपर सुब्बू' से जुड़ना ऐसा लगता है जैसे यह सफर पूरा चक्र पूरा कर चुका हो। मैं दुनिया भर के दर्शकों के माकीपुर के आकर्षण को देखने के लिए उत्साहित हूं।

वहीं अभिनेता सुंदीप किशन ने कहा, सुपर सुब्बू' एक ऐसे विषय को उठाती है, जिस पर लोग अक्सर खुलकर बात करने से झिझकते हैं। लेकिन यह इसे हास्य, गर्मजोशी और ईमानदारी के साथ पेश करती है। सुब्बू एक ऐसा व्यक्ति है जो एक समस्या सुलझाने निकलता है और अनजाने में पांच नई समस्याओं में फंस जाता है। नौकरी की परेशानियों, रिश्तों की उलझनों, पिता के सामने अपनी छवि बचाने की कोशिश और गांव वालों को नाराज कर देने जैसी स्थितियों के बीच वह लगातार मुश्किलों में घिरा रहता है। उसकी सबसे खास बात यह है कि उसकी नीयत हमेशा अच्छी रहती है, भले ही हालात उसके नियंत्रण से बाहर क्यों न हो जाएं।

उन्होंने कहा, माकीपुर अजीबोगरीब लेकिन दिलचस्प किरदारों से भरा हुआ है और हर गलतफहमी कहानी में नया हास्य और नया बवाल जोड़ती है। दर्शक लगातार यह सोचते रहेंगे कि सुब्बू अब इस स्थिति से कैसे निकलेगा। इतनी शानदार स्टारकास्ट के साथ काम करना और नेटफ्लिक्स की पहली तेलुगु ओरिजिनल सीरीज का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दर्शक सुब्बू से मिलें और उसकी इस यादगार यात्रा का हिस्सा बनें। मल्लिक राम, रमेश एलिगेटी और शिवानी ढोबाल द्वारा लिखित इस सीरीज का निर्माण राजीव चिलाका और भरत लक्ष्मीपति ने चिलाका प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है।

'मेरे अंदर मातृत्व की भावना नहीं'

शो 'लॉकअप 2' में आकांक्षा चमोला की दो-टूक, बोलीं- गौरव मुझे छोड़ सकते हैं

आकांक्षा चमोला ने साफ शब्दों में बताया कि वह क्यों मां नहीं बनना चाहती हैं। पति और टीवी एक्टर गौरव पहले इस फैसले को सपोर्ट करते थे लेकिन अब उनका नजरिया बदल गया है। जानिए, इस मामले पर आकांक्षा ने क्या-क्या कहा?

हाल ही में टीवी अभिनेता गौरव खन्ना की पत्नी और एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला 'लॉकअप2' रियलिटी शो में अपनी जिंदगी से जुड़े कई राज खोल रही हैं। हाल ही में उन्होंने मां न बनने के अपने फैसले के बारे में बताया। इसी वजह से उनका और गौरव का रिश्ता भी खत्म होने के कगार पर है। आकांक्षा ने 'लॉकअप 2' में ही बताया था कि वह और गौरव अलग रहे हैं और उनका तलाक होने वाला है।

बच्चा गोद भी नहीं लेना चाहतीं आकांक्षा चमोला

लॉक अप' सीजन 2 के एक एपिसोड में आकांक्षा शो के दूसरे प्रतियोगियों श्रेया कालरा और सूफी मोतीवाला अपने तलाक के बारे में बात कर रही थीं। आकांक्षा ने बताया कि बहुत पहले ही अहसास हो गया था कि मां बनने की भावना उनके अंदर नहीं है। पति गौरव खन्ना को भी यह बात बता दी थी। लेकिन अब गौरव को बच्चा चाहिए, लेकिन आकांक्षा को बच्चा नहीं चाहिए।

वह कहती हैं, 'गौरव बच्चे चाहते हैं। लेकिन मैं उन्हें बच्चे नहीं दे सकती हूं। मैंने बहुत पहले ही साफ कर दिया था कि मेरे अंदर मातृत्व की भावना नहीं है। जब मुझे अहसास हुआ कि मैं इसके लिए नहीं बनी हूं, तभी मैंने कह दिया था कि मैं मां नहीं बनूंगी। मैंने गौरव से यहां तक कह दिया कि अगर वह मुझे छोड़ना चाहते हैं, तो छोड़ सकते हैं।'

गौरव-आकांक्षा के अलगाव पर फैंस को नहीं यकीन

बता दें कि एक तरफ तो आकांक्षा चमोला कर रही हैं, वह पति गौरव खन्ना से एक साल से अलग रह रही हैं। इनका तलाक भी हो सकता है। वहीं कुछ महीनों पहले वह अपने पति और एक्टर गौरव को 'बिग बॉस 19' में सपोर्ट करती दिखी थीं। दोनों के बीच खूब प्यार नजर आया था। शो जीतने के बाद गौरव और आकांक्षा ने पार्टी की, साथ में जन्मदिन मनाया। सोशल मीडिया पर भी लगातार फोटो साझा कीं। ऐसे में फैंस को समझ नहीं आ रहा है कि इतना प्यार करने वाला कपल अलग क्यों हो रहा है? इसी वजह से फैंस को कपल की बात पर शक हो रहे हैं, वह इसे पब्लिसिटी स्टंट मान रहे हैं। वहीं कुछ फैंस का मानना है कि आकांक्षा चमोला का बच्चा न करना है, इस अलगाव की वजह है।

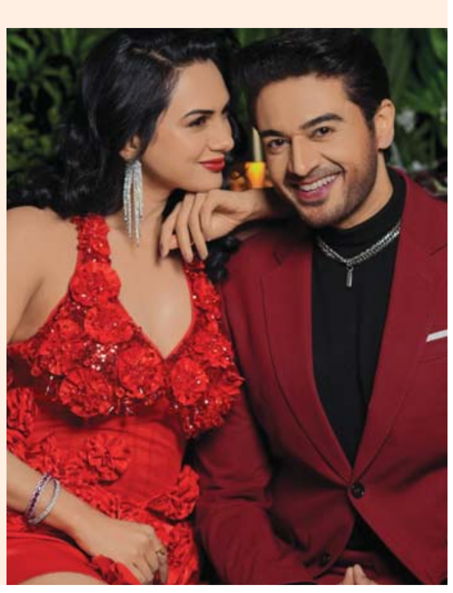

शरवरी बोलीं, हर एक्टर का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने जो लोगों के दिलों में बस जाए

शरवरी बाघ ने अपनी हालिया रिलीज मैं वापस आऊंगा को मिल रहे अपार प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए एक भावुक नोट लिखा। उन्होंने कहा कि हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके दिलों और जेहन में बनी रहे। शरवरी बाघ ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और क्लिप साझा किए, जिनमें फिल्म मैं वापस आऊंगा के लिए दर्शकों की प्रतिक्रियाएं, समीक्षाएं, थिएटर के दृश्य और गीत मसकारा की मेकिंग के दौरान के बिहाइंड-द-सीन्स (बीटीएस) पल शामिल थे।

पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुझे नहीं लगता कि इससे बड़ी कोई खुशी हो सकती है कि जिस चीज में आपने अपना दिल और आत्मा लगा दी हो, वह दूसरे लोगों के दिलों में भी जगह बना ले। संदेश, वीडियो, आंसू, बातचीत और प्यार मैं यह सब देख और पढ़ रही हूं, और कई बार मेरी अपनी आंखों में भी आंसू आ जाते हैं।

उन्होंने कहा, हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके साथ बनी रहे। जिस तरह आप सभी ने मैं वापस आऊंगा' से जुड़ाव महसूस किया है, वह मेरे लिए बेहद विनम्र और भावुक करने वाला अनुभव रहा है। हमारे साथ हर भावना को महसूस करने और इस फिल्म को अपने प्यार से आगे बढ़ाने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद।

शरवरी के सह कलाकार वेदांग रैना ने भी पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए लिखा, तुम इस सबकी हकदार हो, जिया।

फिल्म की बात करें तो इसका निर्देशन इम्तियाज ने किया है। इस पीरियड रोमांटिक ड्रामा में नसीरूद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

मैं वापस आऊंगा की कहानी भारत के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित है और बिछडने, प्रेम, यादों, पलायन और स्मृतियों जैसे विषयों को सामने लाती है। फिल्म एक ऐसे प्रेम संबंध की कहानी दिखाती है, जो ऐतिहासिक उथल-पुथल के कारण प्रभावित होता है। कहानी नसीरूद्दीन शाह के किरदार के दृष्टिकोण से सुनाई गई है।

यह फिल्म इम्तियाज अली और एआर रहमान की सफल जोड़ी को फिर से साथ लाती है। इसके अलावा, गीतकार इरशाद कामिल ने भी फिल्म में योगदान दिया है। फिल्म का निर्माण एपल्ज एंटरटेनमेंट, विंडो सीट फिल्मस और मोहित चौधरी फिल्मस के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

कपड़ों की उम्र बढ़ाने में मदद कर सकती हैं ये आदतें, आज से ही अपनाएं

कपड़े रोजाना पहनने और धोने से खराब हो सकते हैं। ऐसे में कपड़ों को लंबे समय तक ठीक रखने के लिए कुछ अच्छी आदतें अपनानी जरूरी हैं। कपड़ों को धोने से लेकर उन्हें स्टोर करने तक के तरीके में थोड़ी-सी सावधानी बरतने से कपड़ों की उम्र बढ़ाई जा सकती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी आदतों के बारे में बताते हैं, जो आपके कपड़ों की उम्र को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।

ठंडे पानी का करें इस्तेमाल

गर्म पानी का इस्तेमाल करके कपड़े धोने से उनमें लगे दाग-धब्बे अच्छे से साफ हो जाते हैं, लेकिन इससे कपड़े जल्दी खराब भी हो सकते हैं। गर्म पानी के कारण कपड़े जल्दी ढीले हो जाते हैं और उनका रंग भी फीका पड़ सकता है। इसलिए, कपड़े धोते समय ठंडे पानी का इस्तेमाल करें। इससे कपड़ों में लगे दाग-धब्बे भी अच्छे से साफ हो जाएंगे और कपड़े भी लंबे समय तक ठीक रहेंगे।

ज्यादा साबुन का न करें इस्तेमाल

कपड़े धोने के लिए ज्यादा साबुन का इस्तेमाल करना भी गलत है। इससे कपड़ों की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। दरअसल, ज्यादा साबुन के कारण कपड़े रूखे हो जाते हैं और उनकी चमक भी चली जाती है। इसके अलावा ज्यादा साबुन से कपड़ों की नाजुकता पर भी असर पड़ता है। इसलिए, हमेशा साबुन का इस्तेमाल करते समय उसकी मात्रा का ध्यान रखें और और अच्छी गुणवत्ता वाला विकल्प ही अपनाएं।

ज्यादा गर्मी से बचाएं

कपड़ों को सुखाने के लिए तेज हवा या तेज धूप का इस्तेमाल करने से बचें, क्योंकि इससे कपड़ों का रंग फीका पड़ सकता है और वे सिकुड़ भी सकते हैं। बेहतर होगा कि कपड़ों को प्राकृतिक तरीके से सुखाने पर जोर दें। इसके लिए आप उन्हें छांव में लटका सकते हैं या फिर किसी कोठरी में रख सकते हैं। इससे कपड़े न सिर्फ अच्छे से सूखेंगे, बल्कि उनका रंग भी बरकरार रहेगा।

इस्त्री करते समय नमी रखें

इस्त्री करते समय कपड़ों में थोड़ी नमी बरकरार रखें। इसके लिए आप स्प्रे बोतल का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर गीले कपड़ों को थोड़ी देर हवा में सुखाने के बाद इस्त्री करें। इससे कपड़े आसानी से इस्त्री होंगे और उनकी चमक भी बनी रहेगी। इसके अलावा नमी से कपड़ों के धागे भी मजबूत रहते हैं, जिससे वे लंबे समय तक ठीक रहते हैं। इस तरह आप अपने कपड़ों को नए जैसा बना सकते हैं।

खास खबर

पशु सखी प्रशिक्षणार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

रायपुर। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सुकमा द्वारा संचालित पशु सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को प्रशिक्षणार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस दौरान फेकल्टी खुशाल चन्द्र केशवानी एवं पशु चिकित्सक डॉ. उमेश बघेल के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणार्थियों को तारा डेयरी तथा जिला पशु चिकित्सालय सुकमा का भ्रमण कराया गया। भ्रमण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को पशुपालन और पशु स्वास्थ्य सेवाओं की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना था।तारा डेयरी में प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न नस्लों की गायों, उनके पोषण, आहार प्रबंधन, प्रमुख बीमारियों तथा उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इसके बाद जिला पशु चिकित्सालय सुकमा में डिप्टी डायरेक्टर पशु चिकित्सा सेवा संदीप इंदुरकर एवं डॉ. उमेश बघेल ने पशुओं की पहचान, सूचीकरण, वर्गीकरण और टैगिंग की प्रक्रिया के साथ-साथ उससे संबंधित आंकड़ों को डिजिटल रूप से दर्ज करने की जानकारी दी।

16 को निकलेगी महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा, तैयारी शुरू

अंबिकापुर। शहर में आगामी रथयात्रा को भव्य, दिव्य और ऐतिहासिक रूप देने के लिए जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति और उत्कल समाज की एक संयुक्त बैठक संपन्न हुई। बैठक में धार्मिक अनुष्ठानों, सेवा कार्यों, सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। समिति ने यह स्पष्ट किया कि संपूर्ण आयोजन प्राचीन परंपरा और वैदिक रीति-रिवाज के अनुसार ही संपन्न होगा। इस दौरान धर्मप्रेमी नागरिकों, सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं से सपरिवार शामिल होने की अपील की गई। 29 जून को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 108 पवित्र कलशों से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का महाभिषेक किया गया। 30 जून से 14 जुलाई तक भगवान 'अनसर काल' (विश्राम) में रहेंगे।

समाज सेवा करना ही शिवाजी को सच्ची श्रद्धांजलिः पांडेय

चिरमिरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की नगर इकाई द्वारा डोमनहिल स्थित अमर कुंज क्रीड़ा स्थल (फुटबॉल ग्राउंड) में हिंदू साम्राज्य दिवस मनाया गया। इस अवसर पर चिरमिरी नगर की विभिन्न 16 शाखाओं के प्रौढ़, तरुण व बाल स्वयंसेवकों का भव्य संगम हुआ। कार्यक्रम में पहुंचे स्वयंसेवकों ने उत्कृष्ट अनुशासन, सुदृढ़ संगठन और अटूट राष्ट्रभक्ति का परिचय देते हुए विभिन्न संघ गतिविधियों का सामूहिक प्रदर्शन किया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों, राष्ट्ररक्षा के प्रति उनके समर्पण और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना था। वक्ताओं ने बताया कि ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी (6 जून 1674) के दिन छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था। यह केवल एक राजा का राज्यारोहण नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और धर्म की रक्षा के लिए स्थापित एक स्वाधीन शासन की शुरुआत थी।

बिना पुलिस सत्यापन किराएदार रखना पड़ सकता है भारी

छत्तीसगढ़ पुलिस ने घर बैठे शुरू की डिजिटल वेरिफिकेशन सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अगर आपने अपना मकान किसी अनजान व्यक्ति को किराए पर दिया है और उसका पुलिस सत्यापन नहीं कराया है, तो अब सावधान हो जाइए। छत्तीसगढ़ पुलिस ने कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा साइबर व अन्य अपराधों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए किराएदार सत्यापन की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन और बेहद आसान बना दिया है। अब मकान मालिक 'समाधान ऐप' और सीसीटीएनएस नागरिक सेवा पोर्टल के जरिए घर बैठे कुछ ही मिनटों में किराएदार का पुलिस सत्यापन करा सकते हैं।

पुलिस के मुताबिक, अब मकान मालिक को थाने के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर से Samadhaan – CG Police App डाउनलोड करना होगा या नागरिक सेवा पोर्टल पर जाकर मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीयन करना होगा। ओटीपी सत्यापन के बाद लॉग-इन कर 'Tenant Verification' सेवा का चयन करना होगा। इसके बाद मकान मालिक और किराएदार की पूरी जानकारी, किराए पर दिए गए मकान का पता, किराएदार का स्थायी पता, मोबाइल नंबर, व्यवसाय और दो स्थानीय संदर्भों की जानकारी दर्ज करनी होगी। आवेदन के साथ मकान मालिक का पहचान एवं पते का प्रमाण, संपत्ति से संबंधित दस्तावेज, किराएदार का आधार कार्ड या अन्य पहचान पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो तथा दोनों पक्षों के बीच हुआ रेंट एग्रीमेंट भी अपलोड करना अनिवार्य होगा। सभी जानकारियां भरने के बाद आवेदन सबमिट करते ही एक रजिस्ट्रेशन नंबर जारी होगा, जिसे भविष्य के लिए सुरक्षित रखना होगा।

आवेदन जमा होते ही पूरा विवरण संबंधित थाना और बीट प्रभारी के पास डिजिटल माध्यम से पहुंच जाएगा। इसके बाद पुलिस किराएदार का आपराधिक रिकॉर्ड, बैकग्राउंड और अन्य आवश्यक जानकारियों की जांच करेगी। जरूरत पड़ने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर भौतिक सत्यापन भी करेगी। छत्तीसगढ़ पुलिस का कहना है कि किराएदार सत्यापन केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि मकान मालिक और समाज दोनों की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है। बिना पुलिस सत्यापन के किसी अनजान व्यक्ति को किराए पर रखना भविष्य में कानूनी परेशानी का कारण बन सकता है। यदि किराएदार किसी अपराध या अवैध गतिविधि में संलिप्त पाया जाता है तो मकान मालिक भी जांच और कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकता है।

गौरतलब है कि बदलते दौर में अपराधी अक्सर फर्जी पहचान के सहारे किराए के मकानों में शरण लेते हैं। ऐसे में एक छोटी-सी ऑनलाइन प्रक्रिया न केवल आपकी संपत्ति और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करती है, बल्कि आपको कानूनी जोखिमों से भी बचाती है।

आम महोत्सव, कृषि मंत्री रामविचार नेताम बोले- आम हर किसी का खास है

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब द्वारा सोमवार को आयोजित आम महोत्सव उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किया। इस अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार रामावतार तिवारी, क्लब के पदाधिकारी, वरिष्ठ एवं युवा पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान आत्मीयता, सौहार्द और संवाद का माहौल देखने को मिला।

मुख्य अतिथि कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने अपने संबोधन में कहा कि आम हर किसी का खास है। यह केवल फलों का राजा नहीं, बल्कि हर वर्ग के लोगों की पसंद और हमारी संस्कृति का हिस्सा है। आम किसानों की मेहनत और प्रकृति की अनमोल देन का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में बागवानी फसलों की अपार संभावनाएं हैं और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने पत्रकारों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र में मीडिया समाज और शासन के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करता है।

रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी ने अतिथियों एवं पत्रकार साथियों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रेस क्लब केवल एक संगठन नहीं, बल्कि पत्रकारों का परिवार है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन पत्रकारों के बीच आपसी भाईचारे, संवाद और सौहार्द को मजबूत करते हैं। व्यस्त दिनचर्या के बीच ऐसे कार्यक्रम एक-दूसरे से मिलने और अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों का आभार भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार रामावतार तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पत्रकारिता केवल खबर देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा दिखाने की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने निष्पक्ष, तथ्यपरक और जिम्मेदार पत्रकारिता पर बल देते हुए कहा कि बदलते समय में पत्रकारों को अपनी विश्वसनीयता बनाए रखते हुए जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने युवा पत्रकारों से सतत अध्ययन, संवेदनशीलता और ईमानदारी के साथ पत्रकारिता करने का आह्वान किया।

महोत्सव में विभिन्न किस्मों के स्वादिष्ट आम, आम पन्ना, आम की कुल्फी सहित अन्य व्यंजनों का सभी ने आनंद लिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आत्मीय संवाद ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। पत्रकारों ने एक-दूसरे से मुलाकात कर समसामयिक विषयों पर चर्चा की और आयोजन की सराहना की।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं पत्रकारों ने रायपुर प्रेस क्लब की इस पहल को सराहा। आम महोत्सव स्वाद, संस्कृति और आपसी सौहार्द का ऐसा संगम बना, जिसने पत्रकार परिवार को एक मंच पर जोड़ते हुए आयोजन को यादगार बना दिया।कार्यक्रम में महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू, सहित आदि लोग उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री के सख्त निर्देश, छत्तीसगढ़ में सभी भवनों का होगा सेफ्टी ऑडिट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । दिल्ली और राजस्थान के कोटा में कोचिंग सेंटरों में हुई आगजनी की घटनाओं के बाद छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्यभर में भवनों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने का बड़ा फैसला लिया है। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने सभी नगरीय निकायों को भवनों का सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं।अरुण साव ने कहा कि राज्य के सभी नगर निगम आयुक्तों को पत्र जारी कर निर्देशित किया गया है कि उनके क्षेत्र के भवनों का निर्धारित सुरक्षा मानकों के आधार पर ऑडिट कराया जाए। इसके लिए संबंधित अधिकारियों की टीम गठित कर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि ऑडिट के दौरान यह जांच की जाएगी कि भवनों में अग्निशमन, आपातकालीन निकासी, विद्युत सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा है या नहीं। जहां भी खामियां मिलेंगी, वहां नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि सभी निकायों से कार्रवाई पूरी होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी गई है, ताकि पूरे राज्य में भवनों की सुरक्षा व्यवस्था का आकलन किया जा सके और जरूरत पड़ने पर आगे की कार्रवाई की जा सके। गौरतलब है कि हाल ही में दिल्ली और कोटा में कोचिंग सेंटरों में हुई आगजनी की घटनाओं में कई लोगों की मौत हुई थी। इन हादसों के बाद सार्वजनिक भवनों की सुरक्षा को लेकर देशभर में चिंता बढ़ी है। इसी के मद्देनजर छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्यभर में सेफ्टी ऑडिट कराने का निर्णय लिया है।

व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे- अमर पारवानी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि रायपुर। व्यापारियों की समस्याओं को जमीनी स्तर पर समझने, बाजारों की आवश्यकताओं को जानने तथा उनके समाधान के लिए सकारात्मक पहल करने के उद्देश्य से कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स छत्तीसगढ़ द्वारा संचालित व्यापारी संवाद अभियान के अंतर्गत आज प्रदेश की सबसे बड़ी अनाज मंडी डूमरतराई व्यापारी कल्याण महासंघ के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। CAIT के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने डूमरतराई व्यापारी कल्याण महासंघ के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर बाजार की समस्याओं एवं विकास से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान डूमरतराई व्यापारी कल्याण महासंघ के अध्यक्ष प्रेम पाहुजा ने व्यापारियों की ओर से CAIT के प्रतिनिधि मंडल का स्वागत किया साथ ही चर्चा के पश्चात कैट को एक विस्तृत मांग-पत्र सौंपा। मांग-पत्र में डूमरतराई बाजार तक नियमित सिटी बस सेवा प्रारंभ करने, बाजार आने वाले प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइट एवं नियमित पुलिस गश्त की व्यवस्था, ट्रांसपोर्ट संचालन हेतु उपयुक्त एवं सुव्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने तथा ट्रेड लाइसेंस संबंधी व्यावहारिक समस्याओं के समाधान की मांग प्रमुखता से रखी गई।

व्यापारियों ने बताया कि ट्रांसपोर्ट संचालन के लिए सुव्यवस्थित स्थान उपलब्ध होने से व्यापारिक गतिविधियाँ अधिक व्यवस्थित होंगी तथा शहर के यातायात दबाव को कम करने में भी महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। CAIT के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने कहा कि व्यापारी संवाद केवल चर्चा नहीं, बल्कि समाधान तक पहुँचने का सशक्त माध्यम है। व्यापारियों के सुझाव ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति हैं।

प्रदेश के विभिन्न बाजारों से प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं को संबंधित विभागों एवं शासन-प्रशासन के समक्ष सकारात्मक एवं प्रभावी ढंग से रखा जाएगा। हमारा उद्देश्य व्यापारियों, व्यापारिक संगठनों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर व्यापार के लिए अधिक अनुकूल वातावरण तैयार करना है।

करोड़ों दर्शकों तक पहुंचेगा छत्तीसगढ़ का प्राकृतिक, सांस्कृतिक और जनजातीय वैभव

इन्फ्लुएंसर मीट से छत्तीसगढ़ पर्यटन को मिलेगी वैश्विक पहचान, डिजिटल मंचों पर गूंजेंगी प्रदेश की खूबसूरती

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। डिजिटल माध्यमों के जरिए छत्तीसगढ़ पर्यटन को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड द्वारा 26 से 30 जून 2026 तक पाँच दिवसीय इन्फ्लुएंसर मीट एवं फेमिलराइजेशन (फेम) टूर का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल के तहत राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित प्रमुख सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है, ताकि उनके माध्यम से प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार देश और दुनिया तक पहुंच सके।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन मैनपाट, प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण सतरेंगा तथा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के रामगढ़ महोत्सव का भ्रमण कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान इन्फ्लुएंसर्स प्राकृतिक छटा, जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक लोककलाओं, पर्यटन सुविधाओं और सांस्कृतिक आयोजनों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही वे विभिन्न डिजिटल मंचों के लिए आकर्षक फोटो, वीडियो और रचनात्मक सामग्री तैयार कर रहे हैं, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की विशेषताएं लाखों दर्शकों तक पहुंचेंगी।

मैनपाट अपनी मनोहारी वादियों, तिब्बती संस्कृति, झरनों और प्राकृतिक आकर्षणों के कारण प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में विशेष स्थान रखता है। वहीं सतरेंगा इको-टूरिज्म के क्षेत्र में तेजी से उभरता हुआ गंतव्य है, जहां विशाल जलाशय, प्राकृतिक वातावरण और रोमांचक गतिविधियां पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। इसके साथ ही रामगढ़ महोत्सव के माध्यम से प्रतिभागी छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, लोक कलाओं और ऐतिहासिक विरासत से भी रूबरू हो रहे हैं।

यह आयोजन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन, पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा के नेतृत्व, प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य के सक्षम संचालन तथा उपमहाप्रबंधक श्रीमती पूनम शर्मा के निर्देशन में छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड की टीम द्वारा सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है। आयोजन का अंतिम दिन 30 जून को निर्धारित है।

डिजिटल युग में सोशल मीडिया पर्यटन प्रचार का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। ऐसे में इस इन्फ्लुएंसर मीट के माध्यम से तैयार की जा रही डिजिटल सामग्री छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को देश और दुनिया के करोड़ों लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे प्रदेश के पर्यटन स्थलों की लोकप्रियता और दृश्यता बढ़ेगी, पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, हस्तशिल्प, लोककला, ग्रामीण पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। इस प्रकार के नवाचार आधारित प्रचार अभियान राज्य को देश के अग्रणी पर्यटन गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आगामी समय में भी पर्यटन के प्रभावी प्रचार-प्रसार के लिए ऐसे अभिनव प्रयास निरंतर किए जाते रहेंगे।

जेसीआई द्वारा शतरंज प्रतियोगिता में 170 प्रतिभागियों ने लिया भाग

कोरबा। जेसीआई कोरबा सेंट्रल द्वारा सीनियर क्लब, कोरबा ईस्ट में मेगा शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले भर से 170 प्रतिभागियों ने भाग लेकर इसे सबसे बड़ी शतरंज प्रतियोगिताओं में से एक बना दिया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि संजीव कंसल (मुख्य अभियंता, डीएसपीएम), विशिष्ट अतिथि राणा विश्वकर्मा (अध्यक्ष, जिला शतरंज संघ, कोरबा) एवं विशेष अतिथि इंजीनियर योगेश गोयल उपस्थित रहे। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि लखन लाल देवांगन की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में अतिथि विशिष्ट घनश्याम अग्रवाल एवं विशेष अतिथि सीए आशीष अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

साइबर ठगी में म्यूल खाता उपलब्ध करवाने वाले 23 पकड़ाए

कमीशन के लालच में दिया बैंक खाता, मोबाइल-एटीएम कार्ड समेत कई दस्तावेज जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले की छावनी थाना पुलिस ने साइबर ठगी के एक संगठित नेटवर्क का खुलासा करते हुए 23 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। आरोप है कि ये लोग साइबर ठगों को अपने और दूसरे लोगों के बैंक खाते उपलब्ध कराकर ठगी की रकम के लेनदेन में मदद कर रहे थे। मामले में 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जबकि 8 लोगों को नोटिस देकर छोड़ा गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक, चेकबुक, आधार कार्ड और अन्य बैंकिंग दस्तावेज भी जब्त किए हैं।

जांच के दौरान बैंक खातों की जानकारी, तकनीकी इनपुट और दूसरे सबूतों की पड़ताल की गई। इसी दौरान पता चला कि कुछ लोग साइबर अपराधियों के लिए बैंक खातों का इंतजाम कर रहे थे। जांच में सामने आया कि आरोपी कमीशन के बदले अपने बैंक खाते साइबर ठगों को इस्तेमाल करने के लिए देते थे। पहले इनके खातों में डाला जाता था पैसा, फिर ट्रांसफर पुलिस की जांच में सामने आया है कि म्यूल खाता धारकों के खाता में साइबर ठगी की रकम को पहले भेजा जाता था। यह रकम आम लोगों से ठगी के होते थे।

इन खातों में पैसे भेजने के बाद यहां से ठग अलग-अलग खातों में पैसा ट्रांसफर कर लेते थे। ताकि पुलिस इन तक नहीं पहुंच सके। साइबर ठगों को खाता उपलब्ध करवाने वालों पर अब पुलिस की भी सख्त नजर है।

23 को हिरासत में लिया, 8 को नोटिस देकर छोड़ा 29 जून को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल 23 लोगों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान कई आरोपियों ने कमीशन के लालच में बैंक खाते उपलब्ध कराने की बात स्वीकार की है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन खातों का इस्तेमाल देशभर में हुई कितनी साइबर ठगी की घटनाओं में किया गया है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोग कौन हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 11 मोबाइल फोन, 3 एटीएम कार्ड, 3 बैंक पासबुक, 3 आधार कार्ड, 3 चेकबुक और बैंकिंग से जुड़े कई अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। जब्त किए गए मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच की जा रही है।

खास खबर

नौकरी और कारोबार के नाम पर लाखों की ठगी

रायपुर। राजधानी रायपुर में नौकरी दिलाने और अधिक मुनाफे का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। खम्हारडीह थाना पुलिस ने जांजगीर-चांपा जिले के सारागांव थाना क्षेत्र के ग्राम लखुरी निवासी जिवधन सागर की शिकायत पर अपराध क्रमांक 203/26 दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार, आरोपियों योगेश साहू और दिलीप यादव ने पीड़ित के पुत्र को शराब दुकान में सुपरवाइजर/सेल्समैन की नौकरी दिलाने का झांसा दिया। इसके एवज में आरोपियों ने 4 लाख 50 हजार रुपये ले लिए, लेकिन न तो नौकरी दिलाई और न ही रकम वापस की। मामले में बीएनएस की धारा 318(4) एवं 336(सी) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। वहीं, दीनदयाल उपाध्याय नगर थाना में बलौदाबाजार जिले के ग्राम तरा, पलारी निवासी चंद्रहास वर्मा की शिकायत पर अपराध क्रमांक 404/26 दर्ज किया गया है। प्रार्थी ने बताया कि आरोपी शैलेन्द्र रजक और नारायण रजक ने दोना-पत्तल बनाने की मशीन लगाने, कच्चा माल उपलब्ध कराने और तैयार माल खरीदने का आश्वासन देकर अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया। इस बहाने 19 मार्च 2026 से 12 मई 2026 के बीच 2 लाख 95 हजार रुपये की ठगी कर ली। मामले में बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच की जा रही है। पुलिस दोनों मामलों में आरोपियों की तलाश और तथ्यों की जांच में जुटी हुई है।

फर्जी भूमि पट्टा बनाकर आवास ऋण लेने की कोशिश आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। फर्जी भूमि पट्टा और पंचायत प्रमाण पत्र तैयार कर आवास ऋण प्राप्त करने का प्रयास करने के मामले में थाना रानीतराई पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 6 जून 2026 को ग्राम पंचायत तेलीगुंडरा की सरपंच श्रीमती हुलेश्वरी साहू ने थाना रानीतराई में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि ग्राम तेलीगुंडरा निवासी धनेश्वरकुमार निर्मलकर (40 वर्ष) ने लगभग 1800 वर्गफुट भूमि का कथित पट्टा एवं पंचायत प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, न्यू दीपक नगर, दुर्ग में आवास ऋण के लिए आवेदन किया था। परीक्षण में सामने आया कि संबंधित भूमि पट्टा ग्राम पंचायत द्वारा कभी जारी नहीं किया गया था। दस्तावेजों पर लगी मुहर और प्रमाणन भी वास्तविक नहीं पाए गए। वहीं वित्तीय संस्था से प्राप्त दस्तावेजों के परीक्षण में भी आवेदन के साथ प्रस्तुत कागजात संदिग्ध पाए गए, जिसके बाद ऋण आवेदन स्वीकृत नहीं किया गया और निरस्त कर दिया गया। रानीतराई पुलिस ने अपराध क्रमांक 71/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 62, 338, 336(3) और 340(2) के तहत आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया गया।

37 पौवा अवैध शराब के साथ शराब कोचिया गिरफ्तार

राजनांदगांव। डोंगरगांव थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक शराब कोचिया को गिरफ्तार किया है। 28 जून को सूचना मिली कि एक व्यक्ति टीवीएस मोटरसाइकिल से करियाटोला से डोंगरगांव की ओर बड़ी मात्रा में शराब लेकर जा रहा है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम तोरण लाल धनकर (35 वर्ष), निवासी ग्राम घुपसाल, थाना गैंदाटोला, जिला राजनांदगांव बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 37 पौवा देशी शराब शोले (6.660 बल्क लीटर) बरामद हुई, जिसकी कीमत 2,960 रुपये आंकी गई। साथ ही शराब परिवहन में प्रयुक्त टीवीएस मोटरसाइकिल जिसकी कीमत करीब 50 हजार रुपये है, भी जब्त की गई। जब्त सामग्री की कुल कीमत 52,960 रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना डोंगरगांव में आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

गांजा की तस्करी करते युवक गिरफ्तार: ओडिशा से लेकर आया था, बस से रायपुर लेकर जा रहा था

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए जगदलपुर बस स्टैंड से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ओडिशा से करीब 8.08 किलो गांजा लेकर रायपुर ले जाने की फिराक में बस का इंतजार कर रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से लगभग 4 लाख 4 हजार रुपए कीमत का गांजा और 700 रुपए नगद बरामद किए हैं।

मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है। दरअसल, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति बड़ी मात्रा में गांजा लेकर बस स्टैंड पर मौजूद है। सूचना के आधार पर 28 जून को पुलिस टीम ने जगदलपुर बस स्टैंड स्थित आम पेड़ के पास घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सुकड़ा धुरवा निवासी केंदुगुड़ा

नदीपारा, थाना व्यापारीगुड़ा, जिला कोरापुट (ओडिशा) बताया।

बैग की तलाशी में मिला गांजा

पुलिस ने आरोपी के लाल-सफेद रंग के बैग की तलाशी ली, जिसमें 8.08 किलो गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा उसके पास से 700 रुपए नगद भी मिले। जब्त गांजा की अनुमानित कीमत करीब 4 लाख 4 हजार रुपए आंकी गई है।

रायपुर में बिक्री की थी तैयारी

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ओडिशा से गांजा लाकर रायपुर में बिक्री के उद्देश्य से उसका परिवहन करने की तैयारी में था। हालांकि, वह गांजा रखने या उसके परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

इसके बाद पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज किया। 29 जून को आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर विशेष एनडीपीएस न्यायालय, जगदलपुर में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

नशे के खिलाफ अभियान रहेगा जारी

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशे के कारोबार और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रायगढ़ में मामूली बात पर पत्नी की हत्या फरार होने से पहले पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पति ने मामूली बात को लेकर अपनी पत्नी को डंडे से पीट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रविवार को कापू पुलिस को ग्राम पारेमेर में एक महिला की हत्या की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वहां एक घर के अंदर 43 वर्षीय जीतो बाई मंझवार का शव मिला। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और डॉक्टर से प्रारंभिक रिपोर्ट ली। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि महिला की हत्या उसके पति रामनाथ मंझवार (50 वर्ष) ने की है। घटना के बाद आरोपी रामनाथ गांव से भागने की कोशिश कर रहा था ताकि पुलिस उसे पकड़ न सके। लेकिन पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना

जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि घटना की रात उसकी पत्नी से मामूली बात को लेकर विवाद हुआ था। रात खाना खाने के बाद जीतो बाई आंगन में सो गई थी, इस पर रामनाथ ने घर के अंदर जाकर सोने के लिए बोला। जीतो बाई के घर के अंदर नहीं जाने पर उसने हाथ-मुक्के से मारपीट की फिर लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी के पास से डंडा बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। इस मामले में पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजकर कार्रवाई की गई है।

बिलासपुर में दो आरोपियों से चोरी की पांच बाइक बरामद

बिलासपुर। बिलासपुर में पुलिस की नई डिजिटल पहल 'सशक्त' मोबाइल ऐप की मदद से सरकंडा पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। मामले की शुरुआत 14 जून 2026 को हुई, जब विवेकानंद नगर मोपका निवासी कमलेश चंद्राकर ने सरकंडा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी एक्टिवा स्कूटी चोरी हो गई है। उन्होंने बताया कि वे करीब 20 मिनट बाद बाहर आए तो स्कूटी गायब थी। रिपोर्ट के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस को सूचना मिली कि मोपका निवासी सुजल दर्वे उर्फरिंकू के पास चोरी की मोटरसाइकिल है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दो संदिग्ध युवकों को पकड़ लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मिली एक्टिवा स्कूटी को 'सशक्त' मोबाइल ऐप में चेक किया, जिसमें वाहन चोरी का होना पाया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों से

कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें उन्होंने पिछले दो वर्षों के दौरान की गई कई वाहन चोरियों का खुलासा किया। बतादें कि, आईजी रामगोपाल गर्ग के विकसित किए गए ऐप सशक्त के जरिए कई तरह के अपराध को सुलझाने में मदद मिली है। इस ऐप की मदद से पुलिस को चोरी हुए वाहनों की जानकारी एक क्लिक में मिल जाती है। जिससे त्वरित कार्रवाई कर वाहनों को बरामद किया जा रहा है। इससे पहले भी कई चोरियों की गाड़ियों के अलावा अन्य अपराधों को भी इस ऐप के माध्यम से सुलझाया जा चुका है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अलग-अलग समय पर कई वाहन चोरी किए थे। अक्टूबर 2025 में उसी इलाके से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी की। फरवरी 2026 में गोड़पारा स्थित साईं मंदिर के पास से ग्रे रंग की एक्टिवा चोरी कर उसे भूपेंद्र वर्मा को 5 हजार रुपए में बेच दिया गया। इसी तरह जून 2026 में मोपका के ठाकुर देव मंदिर के पास से यामाहा मोटरसाइकिल चोरी कर अर्जुन वर्मा को सिर्फ2 हजार रुपए में बेच दिया था।

पुलिस ने मोपका के खाल्हेपारा निवासी सुरेन्द्र भुनेश्वर (22) पिता छतलाल भुनेश्वर और सुजल दर्वे उर्फ रिंकू (24) पिता पुनीलाल दर्वे को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब चोरी का माल खरीदने वाले लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

हत्या कर फेंका, तालाब किनारे मिला युवक का शव

जांजगीर। मुलमुला थाना क्षेत्र के ग्राम कोसा में सोमवार सुबह एक 24 वर्षीय युवक का शव अम्हा तालाब के किनारे के पास मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गांव निवासी अमित भंडारी के रूप में हुई है। शव औंधे मुंह पड़ा था और उसके शरीर पर चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने शव देख तत्काल मुलमुला पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची व घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वॉड भी बुलाया गया। डॉग घटनास्थल से तालाब के पास

खेतों के रास्ते होते हुए गांव के एक घर तक पहुंचा, जिसके बाद पुलिस उस दिशा में भी जांच कर रही है। हालांकि पुलिस ने अभी किसी भी संदिग्ध या आरोपी के नाम का खुलासा नहीं किया है। अमित भंडारी गांव में खेती-किसानी का कार्य करता था। मामला सुलझाने के लिए साइबर टीम की भी मदद ली जा रही है। टीम ने सीसी कैमरों के फुटेज जब्त कर लिए हैं। प्रेमिका के घर भी गया था अमित का गांव की एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस संबंध को लेकर पहले भी विवाद की स्थिति बन चुकी थी। संदेह जताया जा रहा है कि रविवार को युवती के परिजनों ने अमित को मिलने के लिए बुलाया था। इसके अगले ही दिन सोमवार सुबह उसका शव तालाब किनारे मिला। इस संबंध में एसडीओपी प्रदीप सोरी ने बताया कि युवक की हत्या की पुष्टि हो चुकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों तक पहुंचने के लिए कई अलग-अलग पहलुओं पर काम किया जा रहा है।

सरोना फ्लाईओवर ब्रिज पर ट्रेलर पलटा: 6 ट्रैक्टर लदे हुए थे, नही हुई कोई जनहानि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के सरोना फ्लाईओवर पर मंगलवार सुबह सड़क हादसा हो गया। 6 ट्रैक्टरों से लदा ट्रेलर सरोना ब्रिज से गुजरते समय बेकाबू होकर पलट गया। हादसे के बाद दुर्ग-रायपुर रोड पर यातायात बाधित हो गया और लंबा जाम लग गया। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

डीएसपी ट्रैफिक सतीश ठाकुर ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। ट्रेलर पलटते ही सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस और अन्य टीमें मौके पर पहुंचीं और क्रेन की मदद से राहत और हटाने का कार्य शुरू किया गया। करीब 40 मिनट की मशक्कत के बाद ट्रेलर को हटाकर यातायात सामान्य किया गया।

हादसे में ट्रेलर में लदे ट्रैक्टरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है, लेकिन चालक सुरक्षित है। शुरुआती जांच में वाहन के अनियंत्रित होने को हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने जारी की थी एडवाइजरी

यातायात प्रभावित होने के दौरान पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर दुर्ग से रायपुर आने-जाने वाले हल्के वाहनों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी थी। पुलिस ने सुझाव दिया कि वाहन चालक सरोना मार्ग की बजाय एम्स-मोहबाबाजार मार्ग से शहर में प्रवेश करें, ताकि जाम से बचा जा सके।

यातायात सामान्य

डीएसपी सतीश ठाकुर के अनुसार, अब मार्ग पूरी तरह सामान्य हो चुका है और यातायात सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

रायपुर का हिस्ट्रीशीटर गौरव हेपट गिरफ्तार हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहा था

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर गौरव हेपट को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से अवैध पिस्टल और एक जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ है। पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले के साथ ही आर्म्स एक्ट के तहत भी अलग से केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, डीडी नगर थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के एक मामले में गौरव हेपट घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार अपने ठिकाने बदलता रहा। लंबित गंभीर मामलों की समीक्षा के दौरान पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और डीडी नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने उसकी तलाश तेज कर दी।

पुलिस ने घेराबंद कर आरोपी को पकड़ा

पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी। सूचना मिलने पर टीम ने घेराबंदी कर गौरव हेपट को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी किसी भी तरह का वैध दस्तावेज या लाइसेंस पेश नहीं कर सका। पूछताछ में गौरव हेपट ने बताया कि फरारी के दौरान वह दमन-दीव, बिलासपुर और धमतरी में अलग-अलग स्थानों पर छिपकर रहा। पुलिस अब उन लोगों और ठिकानों की जांच कर रही है, जहां आरोपी ने शरण ली थी। पुलिस के अनुसार गौरव हेपट थाना कोतवाली का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ रायपुर के अलग-अलग थानों में हत्या के प्रयास, मारपीट, आर्म्स एक्ट, नारकोटिक्स समेत एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी के आपराधिक नेटवर्क और फरारी के दौरान उसकी मदद करने वालों की भी जांच की जा रही है।

जंगल में कच्चा रास्ता बना रेत तस्करी, 12 ट्रैक्टर जब्त

घरघोड़ा। कुटकुट नदी से लंबे समय से चल रहे अवैध रेत उत्खनन पर वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। वन विभाग टीम ने रणनीति बनाकर जंगल के भीतर घेराबंदी की। रेत से लदे 12 ट्रैक्टर जब्त किए। अचानक हुई कार्रवाई से तस्करों को संभलने का मौका नहीं मिला। जांच में सामने आया कि जब्त किए गए किसी भी ट्रैक्टर में नंबर प्लेट नहीं थी। बिना पहचान वाले वाहनों से रोज रेत की तस्करी हो रही थी। रेत माफियाओं ने जंगल के बीचों-बीच अवैध कच्चा रास्ता बना लिया था। इसी रास्ते से दिन-रात सैकड़ों घनमीटर रेत बाहर निकाली जा रही थी। यह खेल लंबे समय से चल रहा था। इस दबिश से नेटवर्क की पोल खुली।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर, एक युवक की मौत, दूसरा घायल

कोरबा। बालको थाना क्षेत्र के रिंग रोड पर सोमवार को तेज रफ्तार भारी वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना पर डायल-112 की टीम ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान बहरता सिंह (38) निवासी भद्रापारा लालघाट वार्ड-38 की मौत हो गई, जबकि दूसरे घायल बिरेंद्र का इलाज जारी है। बालको पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। वहीं, स्थानीय लोगों ने रिंग रोड पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार पर अंकुश लगाने और सड़क सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

संत कबीर का संदेश आज भी समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक : राज्यपाल थावरचंद गहलोत

संत कबीर के आदर्शों पर चलकर समाज में समरसता और सेवा की भावना मजबूत होगी : मुख्यमंत्री साय

- मुख्यमंत्री साय ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश
- 3 महीने बढ़ाई जाएगी मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना : सरचार्ज माफी और आकर्षक प्रावधानों के साथ लंबित बिजली बिल का भुगतान कर सकेंगे उपभोक्ता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत राजधानी रायपुर के सोनपैरी स्थित सद्गुरु कबीर आश्रम में कबीर जयंती के अवसर पर आयोजित संत कबीर महोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गुरु असंग देव का आशीर्वाद लेकर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने आश्रम परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

गुरु असंग देव ने कहा कि संत कबीर ने समाज से पाखंड, कुरीतियों और आडंबर को समाप्त करने के लिए अवतार लिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समाज में आपसी प्रेम तथा संवाद कम होता जा रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने सेवा, परमार्थ, गौसेवा, वृक्षारोपण और ग्राम विकास को जीवन का आधार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा से ही सच्चा सुख और आत्मिक संतोष प्राप्त होता है। गुरु असंग देव ने कहा कि एक समय नक्सलवाद के कारण जिन क्षेत्रों में जाना कठिन था, वहां अब शांति स्थापित हो चुकी है और विकास की गंगा बह रही है। लाखों गरीबों के लिए आवास बन रहे हैं और प्रदेश विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि संत कबीर ने सत्य, समरसता, मानव सेवा और सद्भाव का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक है। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और आडंबर से ऊपर उठकर मानव मात्र को प्रेम, सत्य और विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज जब समाज सामाजिक विभाजन और नैतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब संत कबीर की वाणी पहले से अधिक प्रासंगिक है। राज्यपाल ने सोनपैरी कबीर आश्रम द्वारा शिक्षा, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आश्रम राष्ट्र निर्माण की चेतना को सशक्त बनाते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ संत कबीर की तपोभूमि और उनके अनुयायियों की पावन धरती है। उन्होंने कहा कि उनका बचपन कबीरपंथी समाज के बीच बीता है और संत कबीर की वाणी का उनके जीवन पर गहरा प्रभाव रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि संत कबीर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज में फैली कुरीतियों, छुआछूत, जाति-पांति और आडंबर के विरुद्ध जनजागरण में समर्पित किया। उन्होंने निर्भीक होकर सत्य का साथ दिया और अपने सरल किंतु प्रभावशाली विचारों से समाज को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज भी उनकी शिक्षाएं समाज में प्रेम, भाईचारे और समरसता की प्रेरणा देती हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 18 लाख आवासों की स्वीकृति मिली है तथा 10 लाख से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब सुरक्षा बलों के साहस और केंद्र सरकार के सहयोग से शांति एवं विकास का नया दौर शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए पीएम जनमन योजना, महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना, रामलला दर्शन योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना तथा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी योजनाओं का लाभ बड़ी संख्या में लोगों को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 प्रारंभ की है। उन्होंने लोगों से इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि तय समय-सीमा में शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा तथा लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री साय ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना की अवधि तीन माह के लिए बढ़ाई जाएगी, जिससे अधिक से अधिक उपभोक्ता सरचार्ज माफी और आकर्षक प्रावधानों का लाभ लेकर अपने लंबित बिजली बिलों का भुगतान कर सकेंगे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि संत कबीर की वाणी ने समाज को पाखंड, छुआछूत और सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध जागृत किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने संत कबीर के मधुर व्यवहार, संयमित वाणी और समाज सुधार के संदेश को अपनाने का आह्वान किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि गुरु ही ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग बताते हैं। संत कबीर ने ढोंग और आडंबर से दूर रहकर सत्य और सेवा का मार्ग अपनाने का संदेश दिया। यदि उनके विचारों को जीवन में उतारा जाए तो समाज और राष्ट्र दोनों का कल्याण संभव है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक इंद्र कुमार साहू, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, गौसेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल, छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, अखिलेश सोनी सहित बड़ी संख्या में संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि एवं कबीरपंथी अनुयायी उपस्थित थे।

बाल साहित्य और नई शिक्षा नीति को मिलेगा नया आयाम- मंत्री केदार कश्यप

मोर अंगना के शोर साझा बाल काव्य संग्रह का हुआ विमोचन, साहित्य और तकनीक के अभिनव समन्वय (क्यूआर कोड) की हुई सराहना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप राजधानी रायपुर के वृंदावन भवन में आयोजित एक गरिमामय समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने साझा बाल काव्य संग्रह मोर अंगना के शोर का विमोचन किया और सभी संबंधित रचनाकारों व शिक्षकों को सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास शिक्षा, संस्कार और साहित्य के माध्यम से ही संभव है। बाल साहित्य हमारी नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखने का काम करता है।

मंत्री कश्यप ने पुस्तक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मोर अंगना के शोर केवल कविताओं का संग्रह नहीं है, बल्कि यह बच्चों की कल्पनाशीलता, संवेदनशीलता, नैतिक मूल्यों और भाषा कौशल को विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। यह अभिनव प्रयास नई शिक्षा नीति और बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान उद्देश्यों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

इस बाल काव्य संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसमें शामिल तकनीकी नवाचार है। पुस्तक में प्रत्येक कविता के साथ एक क्यूआर कोड जोड़ा गया है। इस पहल की सराहना करते हुए वन मंत्री ने कहा कि इससे बच्चे केवल कविताओं को पढ़ेंगे ही नहीं, बल्कि उन्हें सुनकर भी सीख सकेंगे।

यह साहित्य और तकनीक का एक बेहतरीन समन्वय है जो शिक्षा को अधिक रोचक, सरल और समावेशी बनाएगा। उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि यह अनूठी पहल दिव्यांग बच्चों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी, जिससे वे भी समान रूप से सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा बन सकेंगे।

मंत्री कश्यप ने पुस्तक के संपादक वीरेंद्र कुमार साहू, सभी लेखकों, शिक्षकों एवं सहयोगियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब शिक्षा, साहित्य और समाज मिलकर कार्य करते हैं, तब राष्ट्र निर्माण की दिशा और अधिक मजबूत होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शमोर अंगना के शोरश् छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे देश में बाल साहित्य के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी उदाहरण बनेगी।

इस विमोचन एवं सम्मान समारोह में स्थानीय विधायक एवं पद्मश्री अनुज शर्मा, अमित चिमलानी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में साहित्यकार, रचनाकार और शिक्षक गण उपस्थित रहे।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने राष्ट्रीय सम्मेलन में की छत्तीसगढ़ के मटेरियल बैंक मॉडल की सराहना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की अभिनव पहल मटेरियल बैंक मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष सराहना मिली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत विकसित इस मॉडल की प्रशंसा करते हुए इसे ग्रामीण आवास निर्माण को गति देने वाला प्रभावी नवाचार बताया। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने किया।

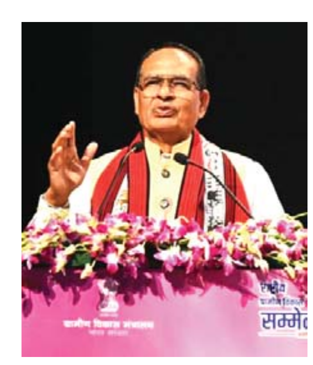

छत्तीसगढ़ में विकसित मटेरियल बैंक मॉडल का संचालन स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा डीलर दीदी के रूप में किया जा रहा है। इसके माध्यम से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों को निर्माण सामग्री एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। इससे आवास निर्माण कार्य अधिक सुगम, तेज और किफायती हुआ है। इस पहल से स्व सहायता समूह की महिलाओं की आय में वृद्धि हुई है और 10,000 से अधिक दीदियां लखपति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ी हैं। इस मॉडल को महिला सशक्तिकरण, आजीविका संवर्धन और ग्रामीण आवास निर्माण के क्षेत्र में एक प्रभावी उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नवाचार और प्रभावी क्रियान्वयन का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार और आजीविका से जोड़ने के लिए आरसेटी तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में आरसेटी के माध्यम से पिछले वित्तीय वर्ष में देश में सर्वाधिक राज मिस्त्री प्रशिक्षण दिया गया है ।उन्होंने इन प्रयासों को अन्य राज्यों के लिए प्रेरणादायक बताया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण विकास, कौशल उन्नयन, स्वरोजगार संवर्धन और गरीब परिवारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह सराहना प्रदेश के जनकल्याणकारी कार्यों, नवाचारों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है तथा इससे राज्य को ग्रामीण विकास के क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

प्राकृतिक सौंदर्य, रोमांच और आध्यात्मिक आस्था का संगमः पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा जशपुर

प्राकृतिक वादियां, झरने और शांत वातावरण पर्यटकों को कर रहे आकर्षित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जशपुर जिला अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और विविध पर्यटन स्थलों के कारण प्रदेश के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। हरी-भरी पहाड़ियां, घने साल के जंगल, कल-कल बहते झरने, स्वच्छ नदी-नाले और शांत वातावरण जशपुर को प्रकृति प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनाते हैं। महानगरों की व्यस्त और भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर सुकून के कुछ पल बिताने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। जशपुर में प्रकृति, रोमांच, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम देखने को मिलता है। जिले के विभिन्न विकासखंडों में स्थित पर्यटन स्थल हर वर्ष हजारों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

रानीदाह जलप्रपात

जशपुर मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित रानीदाह जलप्रपात हरी-भरी पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच स्थित है। वर्षा ऋतु में इसकी प्राकृतिक छटा और भी मनमोहक हो जाती है। यह पिकनिक एवं प्रकृति प्रेमियों के लिए पसंदीदा स्थल है।

कैलाश गुफा

बगीचा विकासखंड में स्थित कैलाश गुफा घने जंगलों के बीच प्राकृतिक रूप से निर्मित अद्भुत गुफा है। यहां भगवान शिव का मंदिर तथा संत गहिरा गुरु का आश्रम स्थित है। यह स्थान आध्यात्मिक शांति एवं प्राकृतिक सौंदर्य का अनुपम संगम प्रस्तुत करता है।

राजपुरी जलप्रपात

बगीचा विकासखंड का राजपुरी जलप्रपात अपनी प्राकृतिक सुंदरता और मनोरम वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यहां पहुंचकर पर्यटक प्रकृति के बीच अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त करते हैं।

मयाली नेचर कैम्प

कुनकुरी विकासखंड का मयाली नेचर कैम्प एडवेंचर और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। यहां बोटिंग सहित प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया जा सकता है।

विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग - मधेश्वर पहाड़

कुनकुरी क्षेत्र में स्थित मधेश्वर पहाड़ प्राकृतिक रूप से शिवलिंग के आकार का विशाल पर्वत है। इसे विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। यह स्थल धार्मिक आस्था और प्राकृतिक आश्चर्य दोनों का अद्भुत उदाहरण है।

कोतेबिरा

फ़रसाबहार विकासखंड में ईब नदी के तट पर स्थित कोतेबिरा अपनी विशाल प्राकृतिक चट्टानों, शांत वातावरण और मनोहारी पहाड़ी श्रृंखलाओं के लिए प्रसिद्ध है।

खुड़िया रानी गुफा

बगीचा विकासखंड स्थित खुड़िया रानी गुफ ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व का महत्वपूर्ण स्थल है, जहां प्रकृति और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

पर्यटकों की सुविधा के लिए बेहतर संपर्क

जशपुर सड़क मार्ग से प्रदेश के प्रमुख शहरों से सुगमता से जुड़ा हुआ है। निकटतम रेलवे स्टेशन रांची (झारखंड) और झारसुगुड़ा (ओडिशा) हैं। रांची स्थित बिरसा मुंडा हवाई अड्डे तथा झारसुगुड़ा हवाई अड्डे तक हवाई यात्रा कर पर्यटक लगभग तीन घंटे की सड़क यात्रा के बाद जशपुर पहुंच सकते हैं। रायगढ़, सरगुजा और बिलासपुर से भी सड़क मार्ग द्वारा जशपुर तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

ग्रामीण पर्यटन को मिल रही नई पहचान

जिले में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पांच होमस्टे स्थापित किए गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों को होमस्टे संचालन, आतिथ्य प्रबंधन एवं पर्यटक सेवाओं का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है, जिससे स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। जिला प्रशासन ने केरे गांव को एक आकर्षक एवं भरोसेमंद ग्रामीण पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। इससे स्थानीय संस्कृति, परंपराओं और ग्रामीण जीवन शैली से पर्यटकों को परिचित होने का अवसर मिल रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य, आध्यात्मिक आस्था, रोमांच और आदिवासी संस्कृति का अद्भुत संगम समेटे जशपुर आज छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। यहां आने वाला प्रत्येक पर्यटक प्रकृति के बीच सुकून, रोमांच और अविस्मरणीय अनुभव लेकर लौटता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950